

सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के तबादले का रास्ता हुआ साफ

अत्यंत कमजोर जनजातीय समूह के विद्यार्थियों के लिए 6 जिलों में बनेंगे 15 छात्रावास

कैबिनेट ने 41.25 करोड़ रुपये की मंजूरी दी

कैबिनेट ने दी बिहार राज्य शिक्षक स्थानान्तरण नियमावली-2026 को मंजूरी

नई दिल्ली/एजेंसी। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति नागरिकों और सार्वजनिक पदों पर आसीन लोगों के बीच विश्वासपूर्ण संबंध में निहित है तथा सार्वजनिक पद को विशेषाधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति भवन में पूर्व राज्यसभा सदस्य नबाम रेब्बिया और सह-लेखक संदीप कुमार द्वारा लिखित पुस्तक हथारत में वीआईपी संस्कृति : सत्ता, विशेषाधिकार और लोकतंत्र से दूरी के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि भारतीय संविधान न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर आधारित समाज की परिकल्पना करता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र नहीं चलता, चलता है।

जिलाधिकारी ने प्रखंडों में भ्रमण कर विकास कार्यों और बाढ़ तैयारी का लिया जायजा

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिला पदाधिकारी कुमार गौरव ने मंगलवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों का भ्रमण कर विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, प्रशासनिक व्यवस्था तथा बाढ़ आपदा की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने साहेबगंज, पारु एवं सरैया प्रखंड का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिये। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने प्रखंड कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति, कार्य निष्पन्न की स्थिति तथा जनहित से जुड़े मामलों की समीक्षा की। उन्होंने प्रखंड



विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को निर्देश दिया कि सभी कार्यालयों में कर्मियों की उपस्थिति बायोमेट्रिक प्रणाली का उपयोग कर सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति के आधार

पर ही नियमानुसार वेतन भुगतान किया जाए तथा कार्यालय अनुशासन को हर हाल में बनाये रखा जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कर्म प्रखंड मुख्यालय में उपस्थित रहें और सरकारी कार्यों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन

सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि आम जनता से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। जनता को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए सभी अधिकारियों को जवाबदेही के साथ कार्य करने की हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संभावित बाढ़ आपदा की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों की स्थापना, सामुदायिक किचन की व्यवस्था, नावों की उपलब्धता,

गोताखोरों की सूची, मेडिकल टीमों की तैनाती तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की तैयारी पूरी तरह अद्यतन रखी जाय। साथ ही नियमित समीक्षा कर यह सुनिश्चित किया जाय कि किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन त्वरित और प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम हो। जिलाधिकारी ने कहा कि आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ प्रोटोकाल के अनुरूप कार्य करें और संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ से संबंधित सभी तैयारियों का समय-समय पर सत्यापन किया जाय ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जा सके।

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी कड़ी में कांटी और पानापुर करियात थाना क्षेत्र में बुधवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (पश्चिमी) सुचित्रा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने व्यापक फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च दामोदरपुर दुर्गा मंदिर के समीप से शुरू होकर रेलवे गुमटी के आगे तक निकाला गया। इसके अलावा चैनपुर-फतेहपुर रोल तथा हरचंदा क्षेत्र में भी पुलिस बल ने पैदल मार्च कर लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया और असामाजिक तत्वों



को कड़ा संदेश दिया। एसडीपीओ पश्चिमी सुचित्रा कुमारी ने बताया कि मोहर्रम के दौरान क्षेत्र में अमन-चैन और कानून व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से पुलिस टीम लगातार संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी कर रही है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि सभी समुदाय के लोग आपसी

भाईचारे और सौहार्द के साथ पर्व मनाएं तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि त्योहार के दौरान माहौल बिगाड़ने, अफवाह फैलाने या शांति व्यवस्था में खलल डालने की कोशिश करने वाले तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च में कांटी थानाध्यक्ष रविकांत पाठक, पानापुर करियात ओपी प्रभारी सुचित्रा सिंह सहित दोनों थानों के पुलिस पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सशस्त्र पुलिस बल के जवान शामिल रहे। प्रशासन की इस सक्रियता से क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा और विश्वास का माहौल देखने को मिला।

भीषण गर्मी के कारण 27 जून तक स्कूल बांद, डीएम ने जारी किया आदेश

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में लगातार बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है। जिलाधिकारी कुमार गौरव ने 24 जून से 27 जून तक जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी विद्यालयों और प्री-स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगाने का आदेश जारी किया है। जिलाधिकारी ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और दोपहर के

समय पड़ रही लू बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इसे देखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 के तहत यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार विद्यालय प्रबंधन अपने स्तर पर पठन-पाठन एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों को पुनर्निर्धारित करेंगे। हालांकि, कक्षा आठ से ऊपर की कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियां पूर्वाह्न 10 बजे तक किया है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रशासन ने आईसीडीएस को भी

आवश्यक निर्देश दिए हैं। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को सुनिश्चित करने को कहा गया है कि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर सुबह 9 बजे से पहले पोषाहार का वितरण कर दिया जाए और उसके बाद केंद्रों की गतिविधियां बंद कर दी जाएं। जिलाधिकारी ने अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन से बच्चों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने, अनावश्यक रूप से धूप में बाहर नहीं निकलने तथा गर्मी से बचाव संबंधी सावधानियों का पालन करने की अपील की है।

मानसून से पहले बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की तैयारी

मुजफ्फरपुर। मानसून के आगमन से पहले विद्युत आपूर्ति को सुचारू एवं सुरक्षित बनाने के लिए बिजली विभाग ने मटेनेंस और ट्री कटिंग अभियान शुरू किया है। कार्यपालक अभियंता, मुजफ्फरपुर पूर्वी के निर्देश पर 11 केवी फीडरों, ट्रांसफार्मरों एवं एलटी लाइनों का रखरखाव कार्य किया जाएगा, जिसके कारण विभिन्न क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से प्रभावित रहेगी। बंदरा के कनीय विद्युत अभियंता अभिषेक रंजन ने बताया कि 24 जून से 27 जून तक निर्धारित कार्यक्रम के तहत ट्री कटिंग एवं मटेनेंस का कार्य किया जाएगा। इस दौरान संबंधित फीडरों से जुड़े इलाकों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। उन्होंने बताया कि 25 जून को 11 केवी गायघाट फीडर, 26 जून को 11 केवी बंदरा फीडर तथा 27 जून को 11 केवी सकरी एवं नेमोपुर फीडर में मटेनेंस कार्य किया जाएगा। वहीं 28 जून को भी 11 केवी नेमोपुर फीडर में कार्य जारी रहेगा। जैड ने बताया कि प्रतिदिन सुबह लगभग 7:00 बजे से 11:00 बजे तक तथा शाम 4:00 बजे से 7:00 बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित रह सकती है। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह कार्य मानसून के दौरान निम्बांध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है। विभाग ने असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया है।

पेयजल संकट से जूझ रहे वार्ड 34 के लोग, सड़क जाम कर किया प्रदर्शन



प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शहर के वार्ड संख्या 34 अंतर्गत सतपुरा काजीपुर क्षेत्र में पेयजल संकट गहराने से स्थानीय लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। बुधवार को क्षेत्र के लोगों ने सड़क जाम कर नगर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और जल्द से जल्द जलापूर्ति बहाल करने की मांग की।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गुमटी से पहले स्थित सतपुरा काजीपुर मोहल्ले में कई दिनों से पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। बताया गया कि नीम चौक से करीब एक किलोमीटर दूर स्थित इस इलाके में नियमित रूप से पानी नहीं पहुंच रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी की आपूर्ति बाधित होने के कारण क्षेत्र में हाहाकार की स्थिति बनी हुई है। लोगों ने आरोप लगाया कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिसके बाद उन्हें सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने नगर आयुक्त से तत्काल हस्तक्षेप कर जलापूर्ति व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बूढ़ी गंडक नदी पर बने चंदवारा पुल के निर्माण में कथित अनियमितताओं और तकनीकी खामियों को लेकर कई शिकायतों के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मुख्यमंत्री सचिवालय एवं मुख्य सचिव को भेजे गए रिमाइंडर पत्र के बाद पथ निर्माण विभाग पटना और बिहार राज्य पुल निर्माण निगम के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम ने बुधवार को पुल का स्थलीय निरीक्षण किया। पथ निर्माण विभाग के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर रानेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पहुंची तकनीकी टीम में कार्यपालक अभियंता, एसडीओ तथा जूनियर इंजीनियर समेत कई अधिकारी शामिल थे। टीम ने पुल के पिलरों, एक्सपेंशन जॉइंट्स और डेक स्लैब



का बारीकी से निरीक्षण किया तथा निर्माण की गुणवत्ता का आकलन किया। शिकायतकर्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता देवव्रत कुमार सहनी ने आरोप लगाया है कि पुल निर्माण में गंभीर अनियमितताएं बरती गई हैं। उनका कहना है कि कई स्थानों पर कंक्रीट उखड़ने से सरिए दिखाई दे रहे हैं, जिससे पुल की गुणवत्ता और

सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने निर्माण एजेंसी को पुल में चिन्हित तकनीकी कमियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर दूर करने का निर्देश दिया। बताया गया कि पुल की संरचनात्मक मजबूती और गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए विशेषज्ञ संस्थान से तकनीकी परीक्षण कराने

की प्रक्रिया भी शुरू की जा सकती है। सूर्यों के अनुसार, जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि निर्माण में लापरवाही अथवा मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित एजेंसी और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता देवव्रत कुमार सहनी ने कहा कि यह मामला कठोर निर्माण गुणवत्ता का नहीं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने मांग की कि स्वतंत्र विशेषज्ञों से पुल की विस्तृत जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। फिलहाल जारी प्रक्रिया जारी है और विभागीय रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई और जिम्मेदारी तय होने की संभावना है।

मुजफ्फरपुर। शहर के प्रसाद हॉस्पिटल में हुए भीषण अग्निकांड के 18 दिन बाद एक और मरीज की मौत हो गई। इसके साथ ही इस दर्दनाक हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। मृतक की पहचान तुर्की थाना क्षेत्र के चूड़आ गांव निवासी 63 वर्षीय ई. संजोव कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार ई. संजोव कुमार 29 मई से प्रसाद हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती थे। ब्रेन हेमरेज की शिकायत के बाद उनका इलाज चल रहा था। अग्निकांड के समय वह आईसीयू में मौजूद थे और आग से निकले जहरीले धुएं की चोपट में आ गए थे। मृतक के पुत्र केशव कुमार ने बताया कि आग लगने के दौरान अस्पताल में अफरातफरी मच गई थी और आईसीयू धुएं से भर गया था। ऐसे में उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर पिता को बाहर निकाला अस्पताल कर्मियों और अन्य लोगों की मदद से उन्हें वेंटिलेटर सहित सुरक्षित बाहर लाया गया था। घटना के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना के मेवांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार जहरीले धुएं के कारण उनके फेफड़े गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे। करीब 18 दिनों तक वेंटिलेटर सपोर्ट और लगातार इलाज के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस ताजा मौत के बाद प्रसाद हॉस्पिटल अग्निकांड एक बार फिर चर्चा में आ गया है। हादसे में मृतकों की संख्या नौ पहुंचने के साथ ही निजी अस्पतालों की अग्निशमन व्यवस्था, आपातकालीन निकासी प्रणाली और मरीजों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने अस्पतालों में सुरक्षा मानकों की सख्ती से जांच कराते तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को मांग की है। वहीं प्रशासन की ओर से मामले की जांच जारी है।

विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक भर्ती का नया मसौदा तैयार,लिखित परीक्षा और इंटरव्यू से होगा चयन

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के विश्वविद्यालयों में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति और संविदा आधारित शिक्षकों की बहाली के लिए नया मसौदा तैयार कर लिया गया है। नई व्यवस्था के तहत नियमित सहायक प्राध्यापकों का चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। इसका उद्देश्य नियुक्ति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाना है। मसौदे के अनुसार लिखित परीक्षा 175 अंकों की होगी, जबकि साक्षात्कार 25 अंकों का होगा। साक्षात्कार में 13 अंक अभ्यर्थियों की शिक्षण क्षमता के प्रदर्शन के आधार पर दिए जाएंगे। टीचिंग स्किल की पूरी प्रक्रिया की अनिवार्य रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। शेष 12 अंक इंटरव्यू बोर्ड के साथ बातचीत और विषयगत समझ के आधार पर प्रदान किए जाएंगे। लिखित परीक्षा का पाठ्यक्रम संबंधित विषय में नेट परीक्षा के पाठ्यक्रम के अनुरूप होगा। परीक्षा में 20 अंकों के अति लघु

उत्तरीय, 30 अंकों के लघु उत्तरीय, 45 अंकों के रीजनिंग आधारित विश्लेषणात्मक तथा 80 अंकों के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे। दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 200 से 250 शब्दों में देना होंगे। 21 से 40 वर्ष होगी आयु सीमा सहायक प्राध्यापक पद के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष तथा अधिकतम आयु 40 वर्ष निर्धारित की गई है। अधिकतम आयु की गणना विज्ञापन जारी होने वाले वर्ष की 1 जुलाई के आधार पर की जाएगी। आरक्षित वर्गों को राज्य सरकार के प्रावधानों के अनुसार तथा विद्यार्थियों को केन्द्र सरकार के नियमों के तहत आयु सीमा में छूट मिलेगी। मेरिट के आधार पर होगा विश्वविद्यालय आवंटन नू अभ्यर्थियों की अंतिम मेरिट सूची लिखित परीक्षा और साक्षात्कार में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी। समान अंक होने की स्थिति में लिखित परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी अंक प्राथमिकता मिलेंगे। इसके बाद अधिक आयु वाले उम्मीदवार को वरीयता दी जाएगी। यदि जन्मतिथि

भी समान हो तो देवनागरी वर्णानुक्रम के आधार पर मेरिट तय की जाएगी। एपीआई स्कोर से होगी संविदा शिक्षकों की नियुक्ति संविदा आधारित शिक्षकों की नियुक्ति एपीआई स्कोर के आधार पर की जाएगी। सिसच और शैक्षणिक उपलब्धियों को इसमें विशेष महत्व दिया गया है। पीएचडी और जेआरएफ धारकों को अधिकतम 22 अंक मिलेंगे, जबकि नेट के साथ पीएचडी करने वालों को 19 अंक दिए जाएंगे। इसके अलावा स्नातकोत्तर के लिए 26, स्नातक के लिए 17, इंटरमीडिएट के लिए 13 और मैट्रिक के लिए 10 अंक निर्धारित किए गए हैं। संविदा नियुक्ति के लिए 12 अंकों का इंटरव्यू होगा, जिसमें छह अंक टीचिंग स्किल और छह अंक साक्षात्कार के लिए निर्धारित हैं। टीचिंग स्किल की वीडियो रिकॉर्डिंग भी अनिवार्य होगी। नई व्यवस्था लागू होने के बाद बिहार के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, प्रतियस्धी और गुणवत्ता आधारित होने की उम्मीद जताई जा रही है।

लीची के बाद अब लौंगन का स्वाद चखेंगे लोग, जुलाई से शुरू होगी तुड़ाई

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर की प्रसिद्ध शाही और चाइना लीची का सीजन समाप्त होने के बाद अब फल प्रेमियों और किसानों के लिए एक नई खुशखबरी सामने आई है। मुशहरी स्थित राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र में विकसित किया जा रहा विदेशी फल लौंगन अब पूरी तरह तैयार हो रहा है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि जुलाई के पहले सप्ताह से इसकी तुड़ाई शुरू हो जाएगी। राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र के निदेशक डॉ. बिकास दास ने बताया कि लौंगन लीची परिवार का ही सदस्य है। इसका बाहरी छिलका भूरे रंग का होता है, जबकि अंदर का गुदा और स्वाद काफी हद तक लीची जैसा होता है। पिछले एक दशक से केंद्र के वैज्ञानिक इसकी गुणवत्ता, मिठास और पल्प की मात्रा को बेहतर बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। लौंगन की बढ़ती लोकप्रियता के कारण किसान भी इसकी खेती में रुचि दिखा रहे हैं। अनुसंधान केंद्र में हर साल लगभग 1,000 पौधे तैयार किए जा रहे हैं। पिछले दस वर्षों में करीब 10,000 पौधे किसानों के बीच वितरित किए जा चुके हैं। किसान केंद्र से मात्र 100 रुपये में लौंगन का पौधा प्राप्त कर सकते हैं। इस फल की मांग अब बिहार से बाहर भी तेजी से बढ़ रही है। हाल ही में चेन्नई के किसानों को 100 पौधे भेजे गए हैं। वर्तमान में तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक जैसे राज्यों में इसकी खेती का विस्तार हो रहा है। डॉ. बिकास दास ने बताया कि आने वाले दिनों में अमम, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से भी लौंगन की खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके लिए विशेष बागवानी कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है, जिससे किसानों को लीची सीजन के बाद आय का एक नया और लाभकारी विकल्प मिल सके। विशेषज्ञों का मानना है कि लौंगन की सफल खेती से मुजफ्फरपुर की पहचान केवल लीची तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह क्षेत्र नए फलों के अनुसंधान और उत्पादन का भी प्रमुख केंद्र बन सकता है।

प्रातः किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के सकरा थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां प्रेम विवाद से नाराज परिवार पर अपने ही बेटे की हत्या कर शव का आनन-फानन में दाह संस्कार कर साक्ष्य मिटाने का आरोप लगा है। घटना के बाद पूरे इलाके में चर्चा का माहौल है और पुलिस मामले की गहन जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, सकरा थाना क्षेत्र के डिहली इसहाक गांव निवासी निनय पासवान का बसंतपुर झिटकाही की चांदनी कुमारी के प्रेम संबंध था। दोनों की मुलाकात कार्यस्थल और कॉलेज के आसपास हुई थी, जो धीरे-धीरे प्रेम में बदल गई। करीब दो वर्षों तक चले रिश्ते के बाद दोनों ने 9 अप्रैल 2024 को सकरा स्थित एक शिव मंदिर में विवाह कर लिया था। बताया जाता है कि शादी के बाद दोनों पति-पत्न

ी के रूप में साथ रहने लगे, लेकिन विनय के परिजन इस रिश्ते को स्वीकार नहीं कर सके। आरोप है कि परिवार के लोगों ने दंपति को घर में रहने से रोका और कई बार दोनों को अलग रहने के लिए मजबूर किया। पीड़िता चांदनी कुमारी ने आरोप लगाया है कि उसके पति के साथ लगातार मारपीट और मानसिक प्रताड़ना की जाती थी। चांदनी का दावा है कि इसी पारिवारिक विवाद के बीच उसके पति निनय पासवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसने आरोप लगाया कि मौत के बाद परिजनों ने जल्दबाजी में शव का दाह संस्कार कर दिया ताकि किसी प्रकार के साक्ष्य सामने न आ सकें। मामले को और गंभीर बनाते हुए घटना से पहले पति-पत्नी के बीच हुई बातचीत का एक ऑडियो भी सामने आया है, जो सकरा मौडिया घर वायरल हो रहा है। जांच एजेंसियां इसे महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में देख रही

हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद एफएसएल टीम ने मौके पर पहुंचकर दाह संस्कार स्थल से राख और अन्य अवशेष एकत्र किए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। डीएसपी ईस्ट-2 मनोज कुमार सिंह ने बताया कि चांदनी कुमारी के आवेदन पर सकरा थाने में प्रारम्भिक दंड कर ली गई है। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है और आरोपियों की परिपत्तारी के लिए छापेमारी जारी है। फिलहाल यह मामला प्रेम विवाह, पारिवारिक विरोध और संदिग्ध मौत के बीच उलझा हुआ है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि विनय की मौत स्वाभाविक थी, आत्महत्या थी या फिर हत्या की किसी साजिश का परिणाम। वहीं, मृतक की पत्नी न्याय की मांग कर रही है और पूरे मामले की सच्चाई सामने आने का इंतजार किया जा रहा है।

का माह से पेंशन बंद, सेवानिवृत्त कर्मचारियों का फूटा गुस्सा, कुलपति आवास का किया घेराव

मुजफ्फरपुर। बिहार विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने पेंशन भुगतान में हो रही देरी के खिलाफ मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों रिटायर्ड कर्मचारियों ने एक दिवसीय धरना देकर विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति अपनी नाराजगी जाहिर की और जल्द पेंशन भुगतान की मांग उठाई। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले चार माह से पेंशन का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे 4 हजार से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारी और उनके परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उनका कहना है कि पेंशन ही उनकी आय का मुख्य स्रोत है और भुगतान रुकने से दैनिक जरूरतों को पूरा करना भी मुश्किल हो गया है। धरना के दौरान कर्मचारियों ने कुलपति आवास का घेराव कर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जनकूर नारेबाजी की। कर्मचारी संघ के नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से राशि उपलब्ध होने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के कारण भुगतान में अनावश्यक देरी हो रही है। कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द पेंशन भुगतान शुरू नहीं किया गया तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। संघ ने विश्वविद्यालय में तालाबंदी करने तथा प्रशासनिक कार्यों को बाधित करने की भी चेतावनी दी है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय तक विश्वविद्यालय की सेवा कर चुके हैं, लेकिन रिटायरमेंट के बाद उन्हें अपनी ही पेंशन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। अब सभी की निगाहें विश्वविद्यालय प्रशासन पर टिकी हैं कि वह इस समस्या का समाधान कब तक निकालता है और पेंशनधारियों को राहत कब मिलती है।



लखनऊ के अलेगंज इलाके में तीन मंजिला वीवीएससी इमारत में सोमवार 22 जून को भीषण आग लगी, जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में ज्यादातर बच्चे और छात्र शामिल हैं। कई लोग इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। कुछ पीड़ितों ने आग और धुएँ से बचने के लिए खुद को वॉशरूम के अंदर बंद कर लिया था, लेकिन वे सभी मृत पाए गए। जैसा कि इस तरह के सारे मामलों में होता है, इस बार भी सरकार ने मुआवजे का एलान करने में देरी नहीं की और उच्च स्तरीय जांच के आदेश भी दिए हैं। सरकार जानती है कि उच्च स्तरीय जैसा शब्द दर्दिनवारक दवा की तरह काम करता है। जिससे खाने के थोड़ी देर बाद दर्द का अहसास जाने लगता है और मरीज इस बात पर ध्यान नहीं देता कि दवा की वजह जस की तस रहती है। दर्द सही इलाज के बाद ही खत्म हो सकता है। इसी तरह ऐसी दुर्घटनाओं पर रोक भी तभी लग पाएगी, जब सही और कड़े फैसले उचित वक्त पर लिए जाएं। सरकार कड़े फैसले तो नहीं ले रही, लेकिन सही तरह से खबरों को जरूर प्रसारित-प्रचारित करना रही है। जैसे कल दोपहर में लगी आग के बाद मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने अपने सारे कार्यक्रम टाल कर इस घटना पर ध्यान दिया, अधिकारियों को तलब किया, कुछ लोगों पर कार्रवाई हुई है, कुछ आरोपियों को पकड़ा गया है, फोरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है, घटना के कारणों की पड़ताल हो रही है, ऐसी तमाम खबरें इस तरह आ रही हैं मानो सरकार का प्रचार होगा तो मेरे हुए लोगों में फिर से जान फूँकी जा सकेगी। कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी से पीड़ितों के परिजन अपना दर्द बता रहे हैं, लेकिन बड़ले में मुख्यमंत्री क्या कह रहे हैं, वह हिस्सा म्यूट कर दिया गया है। एक चुन चुन हुए नेता की बातों को जनता तक न पहुंचने देने के पीछे क्या कारण है, यह विचारणीय है। बहरहाल, लखनऊ की घटना से इसी महीने 3 जून को दिल्ली के होटल में लगी आग की भयावह घटना के जखम फिर ताजा हो गए। दिल्ली की घटना में अंधेध तरीके से निर्माण और अगर रोकने के उपायों को नजरअंदाज करने के कारण सामने आए थे। अब लखनऊ प्रकरण में भी शायद ऐसी ही बातें सुनने मिलें। बताया जा रहा है कि इमारत वीरेंद्र शुक्ला के नाम पर है। उनका बेटा अखिलेश शुक्ला एस बिल्डिंग में ग्राफिक्स सेंटर चला रहा था। घटना के बाद से पिता और पुत्र दोनों फरार बताए जा रहे हैं। चरमदीयों का आरोप है कि आग लगाने के बाद दमकल विभाग की टीम को पहुंचने में काफी देरी हुई, जिससे अफरा-तफरी मच गई और जान-माल का अधिक नुकसान हुआ। सरकार ने अभी जो उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए गए हैं, उसमें यह देखा जाएगा कि इमारत में अनिश्चान उपकरण थे या नहीं, कुख्या मानकों का पालन हो रहा था या नहीं। लेकिन इस तरह की कबायद हास्यास्पद ही लगती है। मान लें कि जांच में पता चलता है कि इमारत में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं हो रहा था, तो इस जानकारी के बाद क्या बलद जाएगा। जिन लोगों ने इस अपराधिक लापरवाही का खामियाजा भुगता, उनके साथ तो ईसाफ फिर भी नहीं होगा। कायदे से तो सरकार को ऐसी घटनाओं से सबक लेते हुए तमाम इमारतों की जांच-पड़ताल करनी चाहिए। अभी उत्तरा प्रदेश के ही नोएडा में दो अलग-अलग बहुमंजिला रिहायशी इमारतों में आग लगी। जिस पर काबू पाने में काफी तकलीफ हुई, क्योंकि आग ऊपर की मंजिलों पर लगी थी, जहां तक फायरब्रिगेड को पानी की बौछार नहीं पड़ रही थी। गंभीरतम रही कि इन दुर्घटनाओं में किसी की जान नहीं गई। इसलिए सरकार अगर वाकई काम करते हुए दिखाना चाहती है तो उसे बिल्डरों और भू माफिया के दबाव में आए बिना अधिकारियों को ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए कहना चाहिए और खुद भी यही मिसाल कायम करनी चाहिए। निचले स्तर के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों को दुर्घटनाओं के बाद निलंबित करने को कार्रवाई नहीं कहा जा सकता। असली कार्रवाई तो तब होगी जब हरेक इमारत में आग से बचाव की सभी तैयारी देखने के बाद ही अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी किया जाए, यानी अनिश्चान भवन से लेकर आपातकालीन निकास द्वार जैसी हरेक व्यवस्था को बारीकी से परख कर ही इमारत में लोगों को रहने या काम करने की अनुमति दी जाए और जो इसका पालन न करे, उस पर सख्त कार्रवाई हो। इसके अलावा आग से बचाव का और कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

माँ की चिट्ठी-बच्चों के नाम? मेरे प्यारे बच्चों, तुम्हें अधिकाधिक स्नेह

राजीव थेपत्र

प्यारे बच्चों, मैं तुम सबकी रत्नगर्भा में बोल रही हूँ, जहां तक मैं जानती हूँ कि मैंने तुम्हें जन्म देकर बड़े पतन और बड़े मम से तुम सबको पाला-पोसा है। और समय के साथ तुम सब तरक्की कर कुछ-कुछ बन गए हो। मुझे नहीं पता कि यह कुछ-के-कुछ बनने के क्रम में तुमने क्या कुछ सीखा है अथवा नहीं सीखा है मगर यह जरूर जानती हूँ कि तुम यह जो तरक्की जिसे कहते आये हो वह है तुम्हारे द्वारा बना ली जाने वाली बड़ी-बड़ी अट्टालिकाएं- कारखाने- हवाई-जहाज, कंप्यूटर, तरह-तरह की मशीनें, मोबाइल, टी.वी., गाड़ियां.... यानी की तरह-तरह की चीजों से सिर्फ-व-सिर्फ ऊर्जा और सिर्फ ऊर्जा ही ऊर्जा की खपत... और इन तमाम चीजों के लिए मेरा दोहन और सिर्फ दोह ही... प्यारे बच्चों, मैं नहीं जानती कि यह जो विकास तुम करते हो, उस करके आखिर तुम्हें ज्ञाना कहाँ है, या कि आखिर तुम्हारी मंशा क्या है ! कि तुम यह जो विकास करते हो या कहते हो वह दरअसल मेरी कितनी सताओं का विकास है और आखिरकार तुम यह सब करके कोगे क्या या कि और भी आखिर क्या रहे हो....!!!!? तुम्हेंद्वारा किसे जाने वाला समस्त कार्य और यह सब भव्य इंतजामात का आखिरी अंजाम क्या है या कि अब तक जो अंजाम हो चुका है क्या उससे भी तुम कोई सबक ले पाए हो, या कि सबक लेकर भी क्या उससे उलटी दिशा में वापस जाना को तुम तत्पर हो पाए हो, बच्चे सब मैं कुछ नहीं जानती !! मैं तो बस इतना ही जानती हूँ कि मेरे बच्चे यह समझते हैं कि वो विकास कर रहे और बेशक मुझे इस बात पर हंसी आती है और तुम सब पर करुणा होती है कि ऊर्जा का पालनों की तरह इस्तेमाल है मेरे गर्भ का अंधाधुंध दोहन ही क्या विकास है ?? क्या यह विकास है कि कुछ बहुत थोड़े से लोग तो अट्टालिकाओं में मजे से जियें और उससे बहुत अधिक गुना लोग भूखे भरे और साधन-हीन जीवन जीने के लिए अभिषाण रहें... भूखे-नंगे- लाचार और बीमार !! मेरे प्यारे बच्चों, मैं कभी यह नहीं समझ पाती कि मेरे दुध में ऐसी क्या कमी रह गयी कि तुममें से कुछ लोग तरक्की की सीढ़ियां चढ़ कर क्या से क्या बन गए, कोई अफसर, कोई क्या तो कोई क्या तो कोई हुकुमत ही चलाते लाना, मगर किसी की कभी यह तनक नहीं सोचा कि यह सब तो प्राप्त किया उसने अपनी माँ का पेड़ चीर करके !! किसी ने खनिज निकले तो किसने ने तेल और इस प्रकार की दोहन की रेलमपेल में माँ का हाल क्या हुआ, क्या किसी ने यह भी कभी सोचा... तुम खेती करते थे... पशुपालन करते थे, मुझे अच्छा लगता था, मुझे लगता था चलो बच्चे मिलजुलकर काम कर रहे हैं... ! तुम चीजों का आदान-प्रदान करते करते पैसों के आदान-प्रदान करने के युग तक चले आये... ! मैंने सोचा चलो बच्चे अपने लेन-देन की आसानी के लिए ऐसा कर रहे हैं...इससे सुगमता ही होगी.... चलो ठीक है !! मश्रपण युग बीते, तुमने तरह-तरह के धर्म बनाए और हथियार बनाए और तरह-तरह के विचार गड़े-बाद गड़े और उन तरह-तरह के विचार-धर्म और वाद के सुधार पर झगड़ने लगे.... मैंने सोचा चलो बच्चे हैं-लड़-लुड़ कर थक जायेंगे, सुचारु जायेंगे !! मगर तब हम मेरी ही कोख में जन्म लेकर मेरी ही गोद में उपासी मचाते रहे !! इस तरह तुम्हारे जीवन में कोई दखल ना दिया कि चलो बच्चे हैं, नासमझ हैं, बड़े होकर सब समझ जायेंगे...! इसी तरह दिन बीतते चले गए और तुम अपनी समझ से विकास करते चले गए और अपने ही मम में आधुनिक होते चले गए !! बेशक तुम्हारी इस सोच में मेरे और तरह-तरह के बच्चे और अन्य प्राणी की सहमति थी या नहीं, यह जानने का प्रयास तुमने कभी करना ही नहीं चाहा, क्योंकि तुम्हारी नजर में मेरे ये अन्य बच्चे या प्राणी सिर्फ तुम्हारे प्रयोग, मनोरंजन या खिलवाव भर का एक हिस्सा थे !! जिनमें ना कोई संवेदना ना कोई दर्द और नहीं तब ही कोई जीवित कर नहीं था ! किसी ने तुम्हारे ऑपरेशन टेबल पर तुम्हारी जात के हित के लिए उस निरीह प्राणी पर किये जा रहे प्रयोग ने उसका जीवन खीन लेना था और तुम्हारा जीवन बचाना था, इस तरह तुम्हारे जीवन का मौकसद सिर्फ अपनी जात के जीवन को बचने और उसका पोषण करना भर था !

आपातकाल का याद करते हुए कांग्रेस को कोसने वाला मैं वे लोग भी शामिल था—रात अपनी राजनीतिक पहचान बदलकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी-जयकार करने लगे थे। सरकार से माफ़ी मांगकर जेल से बाहर आने वाला भीस सूर्यीय और संजय गांधी के पांच सूर्यीय कार्यक्रम का समर्थन करते हुए तत्कालीन राजनीतिक गतिविधियों में शामिल नहीं होंगे। ऐसा करने वालों में तत्कालीन जनसंघ यानी आज की भाजपा से जुड़े हुए थे। पिछले 12 वर्षों के आपातकाल को बहुत पीछे छोड़ कर लोकतंत्र को लगभग खत्म कर चुके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए तो राजनीतिक विमर्श में आपातकाल सबसे प्रिय विषय रहता है। इसलिए वे आपातकाल को हर साल सिर्फ 25-26 जनवरी को ही नहीं बल्कि अक्सर याद करते रहते हैं। पंच दशक पहले देश में लगे आपातकाल की 25 साल को 51वाँ बरसी है। इस मौके पर मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए भारतीय लोकतंत्र के उजड़ाए गए और शर्मनाक कालखंड को अलग-अलग तरह से याद किया जाएगा। याद करने केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का हिस्सा है या वास्तव में लोकतांत्रिक व्यवस्था में पारदर्शिता के जुड़ा गंधी मुद्रा? लोकतंत्र में पारदर्शिता किसी भी संस्था की विवक्षनीयता का महत्वपूर्ण आधार होती है। राजनीतिक दलों, गैर-सरकारी संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने वित्तीय स्रोतों और व्यय का स्पष्ट लेखा-जोखा रखें। यदि कोई संगठन समाज और सार्वजनिक नीति पर व्यापक प्रभाव रखता है, तो उसके वित्तीय संचालन को लेकर प्रश्न उठना स्वाभाविक माना जा सकता है। दूसरी ओर, आरएसएस स्वयं को एक सांस्कृतिक और सामाजिक संगठन बताता है, न कि राजनीतिक दल। संघ का कहना रहा है कि उसकी गतिविधियाँ स्वयंसेवकों के सहयोग और समाज से प्राप्त योगदान के आधार पर संचालित होती हैं तथा वह कानून के अनुसार आवश्यक अनुपालनों का पालन करता है। संघ के समर्थकों का तर्क है कि केवल आरएसएस को निशाना बनाना राजनीतिक प्रेरणा से प्रेरित प्रतीत होता है, जबकि देश में हजारों अन्य सामाजिक, धार्मिक और वैचारिक संगठन भी सक्रिय हैं। यहीं से यह मुद्दा राजनीतिक रंग ले लेता है। चूंकि आरएसएस को व्यापक रूप से भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक प्रेरणा का स्रोत माना जाता है, इसलिए उसके वित्तीय मामलों पर उठने वाले सवाल अक्सर राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। विपक्ष इसे

जो जेल जौन से बचन क लिए और उनके बेटे संजय गांधी की ने अपने माफ़ीनामों में इंदिरा गांधी याद किया था कि थे भविष्य में किसी आधारत लोग राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गैरान प्रणे क्रिया करेके के जरिए मंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए तो मल को हर साल सिर्फ 25-26 जून ल के दौरान न तो जेल गए थे और

खतम कर चुके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए तो राजनीतिक विमर्श में आपातकाल सबसे प्रिय विषय रहता है। इसलिए वे आपातकाल को हर साल सिर्फ 25-26 जून को ही नहीं बल्कि अक्सर याद कर रहे रहते हैं। यह और बात है कि मोदी आपातकाल के दौरान न तो जेल गए थे और न ही आपातकाल विरोधी किसी संघर्ष से उनका कोई जुड़ाव था। एक साल पहले आपातकाल के पांच दशक पूरे होने पर मोदी ने कहा था, ह्द आपातकाल के दौरान हमारे देश ने देखा कि किस तरह संवैधानिक संस्थाओं का विनाश किया गया। हम संकल्प लेते हैं कि हम भारत की लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करने का हर संभव प्रयास करेंगे और हमारे संविधान में निहित मूल्यों पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। उस मौके पर गृहमंत्री अमित शाह के नाम से कुछ अखबारों में लेख भी छपे थे, जिनमें दावा किया गया था कि भाजपा ही देश में एक मात्र ऐसी पार्टी है जो लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखती है और देश में लोकतंत्र इसलिए बचा हुआ है, क्योंकि आज सरकार चला रहे नेता उन लोगों में से हैं जिन्होंने आपातकाल के खिलाफ कथित दूसरी आजादी की लड़ाई लड़ी थी। हालांकि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के दावों के बरअक्स संसद, न्यायपालिका और चुनाव आयोग सहित विभिन्न संस्थानों की पिछले 12 वर्षों के दौरान किस कदर दुर्गीत हुई है, संविधान को किस कदर नज़र अंदाज किया जा रहा है और असहमति की आवाजों का कितनी निर्ममता से दमन किया जा रहा है, यह सब एक अलग बहस का विषय है। अमित शाह का यह दावा पूरी तरह हास्यास्पद है कि देश में लोकतंत्र इसलिए बचा हुआ है, क्योंकि आज सरकार चला रहा है उन लोगों में से हैं जिन्होंने आपातकाल के खिलाफ दूसरी आजादी की लड़ाई लड़ी थी। वैसे तो उनके इस दावे को फर्जी साबित करने वाले कई तथ्य सच हैं और गैर सरकारी दस्तावेजों में दर्ज भी हैं, लेकिन यहां सिर्फ आरएसएस के तत्कालीन सरसंघचालक मधुकर

नहीं किया जा सकता। यदि किसी की वित्तीय ढांचे के बारे में जानकारी आरएसएस पर ही नहीं, बल्कि सभी लागू होना चाहिए। भारत में समस्या वाले विरोधी विचारधारा वाले संगठनों प्रेरणचिह्न लग जाता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति किया जाए, जो सभी सर्वजनिक करने की मांग में आई है। किंतु इसके मूल में छिपा है।

जवाबदेही का प्रश्न बताया है, जबकि समर्थक इसे वैचारिक विरोध का परिणाम मानते हैं। वास्तविकता यह है कि पारदर्शिता की मांग को केवल राजनीति कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। यदि किसी संगठन की गतिविधियां व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय प्रभाव रखती हैं, तो उसके वित्तीय ढांचे के बारे में जानकारी सार्वजनिक होने से जनता की विश्वास बढ़ सकता है। लेकिन यह सिद्धांत केवल आरएसएस पर ही नहीं, बल्कि सभी बड़े सामाजिक, धार्मिक, वैचारिक और राजनीतिक संगठनों पर समान रूप से लागू होना चाहिए। भारत में समस्या यह है कि पारदर्शिता की मांग अक्सर चपनात्मक दिखाई देती है। जब सवाल केवल विरोधी विचारधारा वाले संगठनों पर उठाए जाते हैं और अपने निकट संगठनों पर नहीं, तब मांग की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। इसलिए आवश्यक है कि वित्तीय पारदर्शिता के लिए एक समीक्ष

सार्वभौमिक मानक विकसित किया जाए, जो सभी संस्थाओं पर समान रूप से लागू हो। आरएसएस की फंडिंग और संपत्तियों को सार्वजनिक करने की मांग में राजनीति का तत्व अवश्य मौजूद है, क्योंकि यह एक राजनीतिक संदर्भ में उठाई गई है। किंतु इसके मूल में छिपा पारदर्शिता और जवाबदेही का प्रश्न लोकतंत्र के लिए गंभीर और महत्वपूर्ण विषय है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की विश्वसनीयता उसके कार्यों के साथ-साथ उसकी पारदर्शिता से भी तय होती है। इसलिए बहस का केंद्र किसी एक संगठन को घेरना नहीं, बल्कि सभी प्रभावशाली संस्थाओं के लिए समान जवाबदेही सुनिश्चित करना होना चाहिए। यही लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन की वास्तविक कसौटी है। लोकतंत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही किसी भी बड़े संगठन की विश्वसनीयता को मजबूत करती है। जब राजनीतिक दलों, गैर-सरकारी संगठनों, ट्रस्टों और कंपनियों

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का है। उनके समर्थक उन्हें स्पष्टवादी और निर्भीक नेता बताते हैं, जबकि आलोचक उन्हें 'गैर-जम्मेदार, अतिशयोक्तिपूर्ण और अक्सर तथ्यों से परे बयान देने वाला राजनेता मानते हैं।' नेतृत्व केवल सत्ता प्राप्त कर लेने का नाम नहीं है। नेतृत्व का अर्थ है विश्वास अर्जित करना। यह विश्वास व्यक्ति की नीतियों से जितना बनता है, उससे कहीं अधिक उसकी वाणी और व्यवहार से निर्मित होता है। जब कोई नेता बार-बार अपने ही कथनों से पलटता दिखाई देता है, जब उसके वक्तव्यों और वास्तविकताओं में बड़ा अंतर दिखाई देता है, तब उसकी विश्वसनीयता कमजोर होने लगती है। यही कारण है कि विश्व राजनीति में शब्दों का महत्व अत्यंत अधिक माना जाता है। भारत के पूर्व

प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण लें। उनके भाषणों में दृढ़ता थी होती थी और मयादा भी। विरोधी भी उनकी भाषा को गरिमा का सम्मान करते थे। इसी प्रकार नेसन मंडेला, महात्मा गांधी और अब्राहम लिंकन जैसे नेताओं ने अपने शब्दों के माध्यम से समाज को जोड़ने का कार्य किया। इसके विपरीत जब भाषा में अहंकार, अतिशयोक्ति, असत्य या उकसावे का तत्व बढ़ जाता है, तब वह नेतृत्व को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने लगता है। बड़बोलापन केवल एक व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है। जब यह किसी प्रभावशाली व्यक्ति में दिखाई देता है, तब यह सामाजिक और राजनीतिक संकट का कारण बन सकता है। बड़बोले व्यक्ति की सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि वह हर

विगत 24 घंटे में सारण पुलिस ने 45 अभियुक्त किये गिरफ्तार

छपरा सदर। सारण के एस एस पी विनीत कुमार द्वारा दिये गये निर्देश के आलाोक में असामाजिक तत्वों, अपराधकर्मियों की गिरफ्तारी एवं शराब के सेवन,बिक्री,भंडारण, निर्माण तथा परिवहन आदि पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगाने तथा देशी शराब भट्टी ध्वस्त करने हेतु दिए गए निर्देश के तहत 23 जून को विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान में कुल-45 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में शराब सेवन में 10,शराब कारोबार में 12, वारंट में 4,हत्या के प्रयास में 7,खनन में 3, चोरी में 3,आर्म्स एक्ट में 1 तथा अपहरण मामले के 5 अभियुक्त शामिल है।

साथ ही जिले में अपराध नियंत्रण एवं यातायात सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुल-44 वाहनों से 80,800 रूपया जुमाना राशि वसूली गई। जिला अंतर्गत विदेशी एवं देशी शराब मिलाकर कुल शराब-682 लीटर, बुलेट मोटर साइकिल 1, सी०एन०जी० टेम्पू-1, टेम्पू-1, कार -1 मोटरसाइकिल-2, बेलोरो-1 एवं ट्रैक्टर-2 बरामद किए गए।

वैज्ञानिक खेती अपनाने पर जोर

पानापुर(सारण)खरीफ फसलों की बेहतर खेती एवं कृषि योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से बुधवार को प्रखंड कृषि कार्यालय परिसर में खरीफ कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों एवं विभागीय अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक खेती, उन्नत बीजों के उपयोग तथा जैविक कृषि के महत्व से अवगत कराया।कार्यक्रम का शुभारंभ अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सत्यम ने किसानों को कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रशिक्षण, किसान परिभ्रमण एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम कर जैविक खादों के प्रयोग को बढ़ावा देने की अपील की। साथ ही ढ़ैंचा, दलहनी फसलों, मशरूम, ड्रैगन फ्रूट एवं मोती उत्पादन जैसे वैकल्पिक कृषि व्यवसायों से अतिरिक्त आय अर्जित करने के तरीके बताए। प्रखंड कृषि पदाधिकारी अजय कुमार झा ने किसानों को खरीफ मौसम के लिए उपलब्ध विभिन्न बीजों की जानकारी देते हुए समय पर बुआई और प्रमाणित बीजों के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक अपनाकर किसान उत्पादन और आमदनी दोनों बढ़ा सकते हैं। प्रखंड उद्यान पदाधिकारी बबलू कुमार ने बिहार कृषि ऐप के माध्यम से उद्यान विभाग की योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया बताई। वहीं प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी नीतीश कुमार ने सहकारिता विभाग की योजनाओं एवं किसानों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी।कृषि समन्वयक उदय शंकर सिंह ने फसल चक्र अपनाने, उन्नत किस्म के बीजों के चयन तथा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की।कार्यक्रम में कृषि विभाग के कर्मियों, किसान सलाहकारों एवं प्रखंड के।

डिग्री कॉलेज बगौरा में प्रथम नामांकन प्रिया कुमारी वनी पहली छात्रा

सीवान/दारौदा प्रखंड के डिग्री कॉलेज, बगौरा में बुधवार को स्नातक सत्र के लिए प्रथम नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। कॉलेज में पहला नामांकन दुमरी गांव निवासी संजय शाह की पुत्री *प्रिया कुमारी* ने हिंदी ऑनर्स विषय में कराया। नामांकन के अवसर पर डिग्री कॉलेज के प्राचार्य *जमालुद्दीन* तथा लाल बहादुर शास्त्री उच्च विद्यालय सह इंटर कॉलेज, बगौरा के प्राचार्य *प्रवीण कुमार तिवारी* मौजूद रहे। दोनों शिक्षाविदों ने छात्रा को शुभकामनाएं देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कॉलेज प्रशासन के अनुसार प्रथम नामांकन में विभिन्न विषयों के कुल १97 छात्र-छात्राओं* का चयन हुआ है।

ये सभी विद्यार्थी कला संकाय के विभिन्न विषयों में ऑनर्स की पढ़ाई करेंगे। नामांकन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। इस अवसर पर प्राचार्य जमालुद्दीन ने कहा कि कॉलेज में विभागीय निदेशों का पूरी तरह पालन किया जाएगा तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि छात्रों के शैक्षणिक विकास के लिए कॉलेज प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

लोक शिकायतों के त्वरित निपटारे पर जिलाधिकारी सख्त, 14 मामलों की सुनवाई कर दिए आवश्यक निर्देश जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान प्रशासन की प्राथमिकता, लोक शिकायत निवारण अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा । सारण जिला प्रशासन आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान को लेकर लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 के तहत द्वितीय अपील से संबंधित मामलों की सुनवाई की। सुनवाई के दौरान उन्होंने लोक शिकायतों के शीघ्र निष्पादन तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कुल 14 मामलों की सुनवाई की। इमें से 07 मामलों में अंतिम आदेश पारित कर शिकायतों का निवारण किया गया, जबकि शेष 07 मामलों में पूर्ण एवं अद्यतन प्रतिवेदन प्रस्तुत करने हेतु संबंधित लोक प्राधिकारों को अगली निर्धारित तिथि पर उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि आम जनता की शिकायतों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निपटारा



प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शिकायतों के समाधान के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाएं तथा मामलों के निष्पादन में किसी प्रकार की अनावश्यक विलंब न होने दें। श्री वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, 2015 नागरिकों को उनकी समस्याओं के प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम उपलब्ध करवाता है। इस अधिनियम का सफल क्रियान्वयन

हर माह पंचायत में बजेगा विकास का बिगुल 28 जून से शुरू होगा पंचायत विकास दिवस



प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। ग्रामीण विकास को नई गति देने और सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता एवं जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सारण जिले की सभी ग्राम पंचायतों में अब प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को द्व्यपंचायत विकास दिवसहू का आयोजन किया जाएगा। इसकी शुरुआत 28 जून से होगी। इसको लेकर जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। कार्यक्रम के दौरान पंचायतों में विकास योजनाओं की समीक्षा, खर्च का सार्वजनिक विवरण, सतत विकास लक्ष्यों पर चर्चा तथा प्रधानमंत्री के ह्दाम की बातहू कार्यक्रम के प्रसारण की व्यवस्था की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि ग्रामीण विकास और ग्राम स्वराज के लक्ष्य को साकार करने में यह पहल मील का पत्थर साबित होगी तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की 61वीं पुण्यतिथि

श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय ।प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की प्रथम मुख्य प्रशासिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती (मम्मा) की 61वीं पुण्यतिथि बुधवार को छपरा सेवा केंद्र पर श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ब्रह्माकुमारी परिवार के भाई- बहनों एवं श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर मातेश्वरी के आदर्शों को स्मरण किया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए छपरा सेवा केंद्र



की प्रभारी बीके अनामिका दीदी ने कहा कि मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती त्याग, तपस्या, ममता, ज्ञान और शक्ति की साक्षात प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन ईश्वरीय सेवा एवं मानव कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने बताया कि प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने अपने जीवन की संपूर्ण कमाई को

घर लौटने के बाद भी सुरक्षित रहेंगे नवजात, एसएनसीयू में माताओं को मिल रही विशेष ट्रेनिंग

छपरा। छपरा। समय से पहले जन्म लेने वाले, कम वजन वाले अथवा बीमार नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल के लिए सदर अस्पताल, छपरा के विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में परिवार की सहभागितापूर्ण देखभाल (एफपीसी- फैमिली पार्टिसिपेटरी केयर) को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। इस पहल के तहत एसएनसीयू में भर्ती नवजातों की माताओं और परिवार के सदस्यों को प्रशिक्षित कर शिशु की देखभाल में सक्रिय भागीदारी के लि् तैयार किया जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि केवल अस्पताल में इलाज पर्याप्त नहीं है, बल्कि नवजात के घर पहुंचने के बाद भी उसकी देखभाल सही तरीके से हो, इसके लिए परिवार का प्रशिक्षित और जागरूक होना जरूरी है। इसी उद्देश्य से एफपीसी मॉडल के तहत माताओं को स्तनपान, कंगारू मदर केयर, संक्रमण से बचाव, तापमान की निगरानी और नवजात में खुरे के लक्षणों की पहचान संबंधी प्रशिक्षण दिया जाता है। क्या है एफपीसी केयर ? एफपीसी यानी फैमिली पार्टिसिपेटरी केयर एक ऐसी प्रणाली है जिसमें एसएनसीयू में भर्ती नवजात शिशु को देखभाल में माता-पिता और परिवार के सदस्यों को भी सक्रिय रूप से शामिल किया जाता है। इस मॉडल का उद्देश्य परिवार को इतना सक्षम बनाना है कि अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी नवजात को गुणवत्तापूर्ण देखभाल मिलती रहे। एफपीसी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा कंगारू मदर केयर (केएमसी) है। इसके तहत मां या परिवार का कोई सदस्य नवजात को अपनी छाती से सटाकर रखता है। इससे बच्चे को आवश्यक गर्माहट, सुरक्षा और भावनात्मक जुड़ाव मिलता है। यह प्रक्रिया विशेष रूप से कम वजन वाले और समय पूर्व जन्मे बच्चों के लिए बेहद लाभकारी मानी जाती है। माताओं को सिखाई जाती हैं देखभाल की तकनीकों एसएनसीयू में प्रशिक्षित नर्स और चिकित्सक माताओं को सही तरीके से स्तनपान कराने, बच्चे को सुनिश्चित तरीके से गोद में रखने, शरीर का तापमान मापने, हाथों की स्वच्छता बनाए रखने और संक्रमण से बचाव के उपायों की जानकारी देते हैं। साथ ही नवजात में किसी भी खुरे के संकेत की पहचान करने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। मानसिक रूप से भी मजबूत होते हैं अभिभावक एफपीसी मॉडल का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इससे माता-पिता अपने बच्चे की बीमारी और उपचार प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझ पाते हैं। बच्चे के साथ अधिक समय बिताने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे तनाव, चिंता तथा असहयोग की भावना से काफी हद तक उबर जाते हैं। क्या कहते हैं विशेषज्ञ डॉ. संदीप यादव, शिशु रोग विशेषज्ञ, सदर अस्पताल, छपरा ने कहा एफपीसी मॉडल नवजात शिशुओं की देखभाल में एक महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है। जब माता-पिता को अस्पताल में ही प्रशिक्षण मिल जाता है तो वे घर जाने के बाद भी बच्चे की बेहतर देखभाल कर पाते हैं। इससे संक्रमण का खतरा कम होता है, स्तनपान की दर बढ़ती है और नवजात के स्वस्थ विकास में मदद मिलती है। ज्योति अड़जक, एसएनसीयू ईचार्ज ने बताया हमारी टीम नियमित रूप से एसएनसीयू में भर्ती नवजातों की माताओं को एफपीसी के विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण देती है। विशेष रूप से कंगारू मदर केयर, स्तनपान और संक्रमण से बचाव पर जोर दिया जाता है। इससे परिवार का आत्मविश्वास बढ़ता है और नवजातों की रिकवरी में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

पल्लौर में नहर के कटाव से गिरे बिजली के खंभे, अब ट्रांसफार्मर पर गंडराया संकट

चरपोखरी। प्रखंड के पसौर गांव में जल संसाधन और बिजली विभाग की लापरवाही के कारण एक बड़े हादसे का बैकग्राउंड तैयार हो रहा है, जहां नहर में पानी आने के साथ ही किनारे पर तेज कटाव शुरू हो गया है। इस पानी के तेज बहाव और लगातार हो रहे मिट्टी के कटाव की जड़ में आकर नहर के किनारे लगे बिजली के खंभे एक-एक कर पानी में समाते जा रहे हैं और अब स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि पूरे गांव की बिजली सप्लाई करने वाले मुख्य ट्रांसफार्मर और उससे जुड़ा 1१ हजार वोल्ट का हाईटेंशन प्रवाहित तार कभी भी अचानक नहर में गिर सकता है, जिससे बहुत बड़ी दुर्घटना होने की आशंका भी हुई है। पानी की तेज धार के कारण एक ट्रांसफार्मर का पोल पहले ही उखड़कर नहर में गिर चुका है, वहीं ग्रामीणों का कहना है कि पानी की रफ्तार को रोकने के लिए पहले वहां जो सुरक्षा दीवार बनी थी व्ह वर्षों से टूटी पड़ी है जिसके कारण ऐसा हो रहा है। पसौर निवासी समाजसेवी प्रशांत सिंह मिंटू ने आक्रोश जताते हुए कहा कि नहर विभाग को पहले भी सूचना दी गई थी कि दीवार टूटी हुई है और पिछले एक महीने से लोग लगातार सूचना पर सूचना दे रहे हैं तथा नहर विभाग के अधिकारियों को भी फोन किया गया है, लेकिन इसके बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है और दोनों विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं।

छापेमारी में अवैध हथियार एवं कारतूस बरामद, आरोपी फरार

आरा। बहोरनपुर थाना पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के बरसिया डेरा गांव में छापेमारी कर एक दर्जन कट्टा एवं तीन जिंदा कारतूस बरामद किया है। हालांकि आरोपी मौके से फरार हो गया। फरार आरोपी बहोरनपुर थाना क्षेत्र के बरसिया डेरा गांव निवासी मुरारी गोंड का पुत्र दीपक गोंड है। इसके जानकारी पुलिस अधीक्षक ने प्रेस नोट जारी कर दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को बहोरनपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना क्षेत्र के बरसिया डेरा गांव निवासी मुरारी गोंड का पुत्र दीपक गोंड अपने घर में अवैध हथियार एवं कारतूस छिपा के रखे हुआ है और आसपास के पड़ोस के लोगों को डराता-धमकता है। सूचना के सत्यापन उपरांत पुलिस सशस्त्र बल के साथ उसके घर पर छापेमारी की। पुलिस को देख दीपक गोंड मौके से फरार हो गया। तलाशी के दौरान उसके घर से एक देशी कट्टा एवं तीन जिंदा कारतूस बरामद किया गया। इसके पश्चात बहोरनपुर थाना में पुलिस ने फरार आरोपी के खिलाफ आम्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

बिलौटी में न्याय की एक बड़ी मुहिम बनी महापंचायत

भोजपुर। जिला के शाहपुर प्रखंड अंतर्गत बिलौटी गांव न्याय की मांग को लेकर भारी आक्रोश का केन्द्र बना हुआ है। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले ने बिहार की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था में एक बड़ा भूचाल ला दिया है। बिलौटी में आयोजित महापंचायत में जुटी भारी भीड़ इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय लोग इस घटना को लेकर न केवल दुखी हैं, बल्कि व्यवस्था के प्रति उनका गुस्सा चरम पर है। महापंचायत में उमड़ी भीड़ लगातार भरत तिवारी अमर रहे के नारों के साथ-साथ राज्य के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रही है मौजूदा स्थिति की गंभीरता को इसी बात से समझा जा सकता है कि बिलौटी गांव में आयोजित इस महापंचायत में न केवल स्थानीय लोग, बल्कि उत्तर प्रदेश और बिहार के दूर-दराज के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में समर्थक पहुंच रहे हैं। भीड़ का बढ़ता दायरा इस पूरे मामले को एक बड़ा सामाजिक और राजनीतिक आंदोलन बनाने की ओर अग्रसर है। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर का बिलौटी पहुंचना और पीड़ित परिवार से मुलाकात करना इस पुष्टे को और अधिक मुखर बनाता है। प्रशांत किशोर का महापंचायत में शामिल होना यह स्पष्ट करता है कि अब यह लड़ाई केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि न्याय की एक बड़ी मुहिम बन चुकी है इस पूरे प्रकरण की शुरुआत तब हुई जब भरत तिवारी के एनकाउंटर से ठीक पहले का एक वीडियो सार्वजनिक हुआ। इस वीडियो ने एनकाउंटर की कहानी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भरत की मां आशा देवी की शिकायत पर पुलिस टीम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस घटना ने सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार को चारों तरफ से घेर लिया है। स्थिति इतनी विकट है कि मानवाधिकार आयोग ने भी इस मामले में सरकार से जवाब तलब किया है। इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट में भी इस एनकाउंटर की निष्पक्ष जांच के लिए याचिका दाखिल की गई है। सरकार द्वारा न्यायिक जांच के लिए हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की घोषणा के बावजूद पीड़ित परिवार ने इस पर अपना भरोसा व्यक्त नहीं किया है,

अगिआंव डिग्री कॉलेज में तैयारियों का जिलाधिकारी ने लिया जायजा, 1 जुलाई से शुरू होंगी शैक्षणिक गतिविधियां

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले के डिग्री कॉलेज विहीनी प्रखंडों में आगामी 1 जुलाई से शैक्षणिक गतिविधियों के शुभारंभ को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में भोजपुर के जिलाधिकारी तनय सुलतनिया ने मंगलवार को अगिआंव प्रखंड स्थित प्रस्तावित राजकीय डिग्री महाविद्यालय का निरीक्षण कर आधारभूत सुविधाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने महाविद्यालय परिसर में चल रहे निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, बेच-डेस्क, रंग-रोगन, साइनेज तथा पहुंच पथ सहित सभी आवश्यक सुविधाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर



उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सत्र के आरंभ से ही बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की बुनियादी सुविधा की कमी नहीं रहने दी जाएगी। जिलाधिकारी ने निमाणाधीन कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सभी सिविल कार्य निश्चित तकनीकी मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि

कार्यों के निष्पादन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता ब्रदशत नहीं की जाएगी। साथ ही संबंधित विभागों को नियमित निगरानी करते हुए शेष कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के निर्णय के अनुरूप जिले के सभी डिग्री कॉलेज विहीन प्रखंडों में 1 जुलाई 2026 से शैक्षणिक गतिविधियां शुरू करना जिला प्रशासन

सहार समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का दो दिनों से जनरेटर खराब, परेशानी



प्रातः किरण संवाददाता

सहार। सहार समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में पिछले दो दिनों से जनरेटर खराब होने का कारण कार्य ठप पड़ जा रहा है। जिस कारण समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सहार का सारा काम बिजली पर आधारित हो गया है। जहाँ बिजली कटने पर समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का सभी काम काज ठप पड़ जा रहा। जिस कारण मरीजों को अल्ट्रा साउंड, एक्सरे सहित अन्य कार्यों के लिए बिजली आने का इंतजार करना पड़ रहा है। समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का जनरेटर खराब होने के कारण कई दवाओं का स्टोरेज भी की दिककत हो रही है। जनरेटर बिना द्रुष्टी पर रह रहे डाक्टर और नर्सों को भी कठिनाई हो रही है। भीषण गर्मी के कारण जहाँ बिजली का लाईट कटने पर मरीजों और उसके परिजनों का भी बुरा हाल हो जा रहा है। जिस कारण मरीजों का देखभाल भी करना मुश्किल हो गया है। डीजी जनरेकर इस संबंध में चिकित्सा प्रभारी डाक्टर मोहन कुमार ने बताया कि जिला को डीजी जनरेटर खराब होने की सूचना दी गई है। कल तक जिला से जनरेटर मिस्त्री आने की उम्मीद है। वहीं उन्होंने कहा कि कल से प्राईवेट जनरेटर की व्यवस्था कर दिया जाएगा। एक दो दिनों समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में सभी पावर संबंधित सभी सुविधा बहाल कर दिया जाएगा।

सीईटी-बी.एड.- 2026 काउंसिलिंग में अभूतपूर्व उत्साह दो दिनों में 30 हजार अभ्यर्थियों ने कराया पंजीकरण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । राज्य में शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रमों में नामांकन को लेकर अभ्यर्थियों के बीच खबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। 12 वर्षीय बी.एड. एवं शिक्षा शास्त्री पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित सीईटी-बी.एड.- 2026 की ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होते ही बड़ी संख्या में सफल अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। 22 जून 2026 को अपराह्न 3 बजे से प्रारंभ हुई काउंसिलिंग एवं महाविद्यालय चयन प्रक्रिया के मात्र दो दिनों के भीतर लगभग 30 हजार अभ्यर्थियों ने सफलतापूर्वक अपना ऑनलाइन पंजीकरण पूरा कर लिया है। राज्य नोडल कार्यालय के अनुसार

ऑनलाइन काउंसिलिंग हेतु पंजीकरण की प्रक्रिया 28 जून 2026 तक जारी रहेगी। अधिकारियों ने सभी सफल अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते पंजीकरण, शुल्क भुगतान तथा महाविद्यालय चयन की प्रक्रिया पूरी कर लें। अंतिम दिनों में वेबसाइट पर बढ़ते दबाव के कारण तकनीकी समस्याओं की संभावना को देखते हुए समय पर आवेदन करना अधिक सुरक्षित माना जा रहा है। काउंसिलिंग प्रक्रिया के तहत सभी सफल अभ्यर्थियों को अपने लॉग-इन क्रेडेंशियल्स का उपयोग कर आधिकारिक वेबसाइट पर प्रवेश करना होगा। इसके बाद निर्धारित काउंसिलिंग शुल्क का ऑनलाइन

भुगतान कर अपनी पसंद के अनुसार महाविद्यालयों एवं विभागों का चयन करना होगा। अभ्यर्थियों को न्यूनतम 3 तथा अधिकतम 10 महाविद्यालयों या विभागों का विकल्प भरने की अनुमति दी गई है। काउंसिलिंग शुल्क विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग निर्धारित किया गया है। सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को 1000 रुपये, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग (BC/ EBC) के अभ्यर्थियों को 750 रुपये, जबकि अनुसूचित जाति एवं महिला अभ्यर्थियों को 500 रुपये शुल्क जमा करना होगा। नोडल कार्यालय ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि वे महाविद्यालयों का चयन अपनी सुविधा, आवामगन की उपलब्धता, शैक्षणिक वातावरण तथा व्यक्तिगत



किया गया। बुधवार को बक्सर-पटना फोरलेन स्थित कायमनगर ओवरब्रिज के समीप वाहन जांच के दौरान एक बारह चक्का ट्रक को रोका गया। जांच में ट्रक के अंदर बनाए गए गुप्त तहखाने से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। ट्रक पर पंजीकरण संख्या बीआर-01-जीपी-6740 अंकित थी। गिरफ्तार चालक की पहचान विध्याचल यादव, पिता स्वर्गीय पारसनाथ यादव, निवासी जवही दियर, थाना ब्रह्मपुर, जिला बक्सर के रूप में हुई है। उसे

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित साढ़े दस बजे रात में हर हाल में होगा ताजिया पहलामः थानाध्यक्ष

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर बुधवार को कोईलवर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष नरोतमचन्द्र ने की। साथ में अपर थानाध्यक्ष सुभाष कुमार मंडल,एसआई फिरोज आलम,मीना कुमारी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में थाना क्षेत्र के मोहर्रम कमिटियों के सदस्य, खलीफा, समाजसेवी एवं स्थानीय प्रबुद्धजन शामिल हुए। बैठक में थानाध्यक्ष नरोतमचन्द्र ने उपस्थित लोगों से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मोहर्रम मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोहर्रम जुलूस के दौरान पुलिस बल साथ-साथ मौजूद रहेगा और सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर नजर रखने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। अफवाह फैलाने या



सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने मोहर्रम कमिटियों से सख्त लहजे में कहा कि हर हाल में रात को साढ़े दस बजे तक ताजिया पहलाम हो जाना चाहिए। जुलूस लाइसेंस के सेवा शर्तों का उल्लंघन करने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष ने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाह पर ध्यान न दें तथा ऐसी गतिविधियों की जानकारी तत्काल पुलिस प्रशासन को दें। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के साथ किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी।

बैठक में मौजूद पदाधिकारी ने कहा कि सभी मोहर्रम कमिटियां सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करें निर्धारित समय सीमा के भीतर ताजिया पहलाम सुनिश्चित किया जाए। जुलूस के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या उपद्रव की स्थिति उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी उन्होंने कहा कि जुलूस में शामिल सभी कमिटी सदस्यों को पहचान पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा। बैठक में काजीचक, बाबूगंज, मोहम्मदपुर, मिनाचक,काजी मोहल्ला,पटानटोली, सुरोध का कॉलोनी समेत विभिन्न क्षेत्रों की मोहर्रम कमिटियों के सदस्य एवं खलीफा उपस्थित रहे।

गायत्री जयंती पर चातर में हुआ विशेष पूजन-हवन, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

प्रातः किरण संवाददाता



बड़ हारा । (भोजपुर)। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के तत्वावधान तथा गायत्री शक्तिपीठ मौलाना, आरा के सानिध्य में प्रज्ञा मंडल चातर द्वारा बुधवार को गायत्री सरस्वती मंदिर प्रांगण में गायत्री जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह आठ बजे से वैदिक मंत्रच्चार, पूजन एवं हवन के साथ हुई। इस अवसर पर वक्ताओं ने गायत्री जयंती के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसी दिन ऋषि भार्गवर्ष की तपस्या से मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था। साथ ही मां गायत्री के अवतरण और पुनर्ऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के तप एवं लोककल्याणकारी कार्यों को भी स्मरण किया गया। श्रद्धालुओं ने परम पूज्य गुरुदेव के जीवन दर्शन एवं उनके द्वारा स्थापित मानवीय मूल्यों पर चर्चा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु अन्न एवं अंशदान के साथ मंदिर पहुंचे। गायत्री परिवार की परंपरा के अनुसार साधकों द्वारा एकत्र किए गए अन्न को प्रसाद स्वरूप समर्पित किया गया। पूजन और हवन के दौरान विश्व शांति, पर्यावरण संरक्षण एवं मानव कल्याण की कामना की गई। इस दौरान काजीचक गांव निवासी मुन्ना गुला की पुत्रवधू का पुनर्संस्कार कार्यक्रम भी आचार्य रामकृष्ण ओझा द्वारा वैदिक विधि-विधान से संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में चातर सहित आसपास के गांवों से पहुंचे गायत्री परिवार के साधकों ने सामूहिक जप, हवन और प्रार्थना में भाग लिया। आयोजन के अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

सरकार द्वारा केवल जांच का आदेश तो बेदर्द संवेदनाओं का लेप भरः प्रो बलिराज

●भरत भूषण तिवारी की पुलिस कर्मियों द्वारा की गई निर्मम हत्या पर जागरूक नागरिकों ने जताया शोक

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जागरूक समाजसेवी युवक भरत भूषण तिवारी की पुलिस कर्मियों द्वारा की गई हत्या पर भोजपुर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के तत्वाधान में शोक सभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। शोक सभा की अध्यक्षता सम्मेलन के अध्यक्ष वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के सीनेटर प्रो बलिराज ठाकुर ने की। प्रोफेसर ठाकुर ने पुलिसकर्मियों द्वारा किए गए ऐसी घटना पर उपस्थित व्यक्तियों की

ओर से निंदा प्रस्ताव पढ़ा। प्रोफेसर ठाकुर ने कहा कि इस घटना से पुलिस पर से लोगों का विश्वास उठ गया है। सरकार द्वारा घटना की रिटायर्ड जज द्वारा करण एवं जाने का आदेश तो बेदर्द संवेदनाओं का लेप भर है। अभी तक सरकार की ओर से पीड़ित परिवार के लिए कम से कम दो करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा नहीं की गई।सरकार की यह चुप्पी हैरान करने वाली है। केवल यहीं नहीं पीड़ित परिवार के सदस्यों सहित बिलौटी गांव के ग्रामीणों पर पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने का दुस्साहस मामले की लीपापोती का प्रयास है वह दुख का विषय है कि अभी तक दोषी पुलिसकर्मियों को जेल तक नहीं भेजा गया है। प्रो ठाकुर ने कहा कि अब

तिवारी अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए आक्रोशित नहीं थे,वे समाज के लिए निर्मित हो कार्य कर रहे थे। भरत तिवारी की हत्या सिर्फ उनके परिवार के लिए नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए अपूर्णीय क्षति है।शोक सभा में दर्शनशास्त्र के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ महेश सिंह, कवि समीक्षक जितेंद्र कुमार, सम्मेलन के प्रधानमंत्री डॉ नंद जी दुबे, समाजसेवी शिवदास सिंह, भोजपुरी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दिवाकर पांडे,पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो अयोध्या प्रसाद उपाध्याय, डॉक्टर नथुनी पांडे, शशिप्रांत तिवारी, डॉ किरण कुमारी, डॉ रेणु मिश्र,डॉ सत्यनारायण उपाध्याय, मधेश्वर पांडेय, श्री प्रकाश ओझा सहित अन्य मौजूद थे।

तरारी में 27 जून को लगेगा विशेष राजस्व एवं भूमि विवाद निवारण शिविर

प्रातः किरण संवाददाता

तरारी (आरा)। तरारी अंचल क्षेत्र के लोगों की राजस्व एवं भूमि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए 27 जून को विशेष सुनवाई शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में अनुमंडल पदाधिकारी पीरो कृष्ण कुमार उपाध्याय, भूमि सुधार उपसमाहतां बरूणजय कुमार पीरो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पीरो स्नेह सेतु, अंचल अधिकारी तरारी सुमीत कुमार सहित सिकरहट्टा, इमदापुर एवं तरारी थाना के थानाध्यक्ष मौजूद रहेंगे। शिविर में भूमि नापी, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, लंबित राजस्व मामलों, जमीन से जुड़े भूमि संबंधी विवाद एवं अन्य भूमि विवादों की सुनवाई की जाएगी। जिन लोगों के दाखिल-खारिज या परिमार्जन के आवेदन लंबित हैं अथवा किसी प्रकार की भूमि संबंधी समस्याओं है, वे आवश्यक कागजात के साथ उपस्थित होकर अपनी शिकायत रख सकते हैं। अनुमंडल पदाधिकारी कृष्ण कुमार उपाध्याय ने बताया कि आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका त्वरित समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस विशेष शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

भरत तिवारी के घर पहुंचे प्रशांत किशोर सम्राट चौधरी पर बोला हमला

आरा । भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव के युवक भरत तिवारी की पुलिस एनकाउंटर में मौत के बाद लगातार कई सवाल उठ रहे हैं जहां एक तरफ परिजनों के आवेदन पर शाहपुर थाने में दोषी पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है वहीं सरकार के तरफ से परिजनों एवं गांव के लोगों पर किए गए मुकदमे को वापस लेने का निर्देश दिया गया है वहीं इस घटना में दोषी पुलिस कर्मियों को सजा देने की मांग तेज हो गई है दूसरी तरफ भारत तिवारी के परिजनों से मिलने के लिए जन सुराज के प्रणेता प्रशांत किशोर पहुंचे जहां की उन्होंने परिवार के लोगों से मुलाकात की इस दौरान इस दौरान भरत तिवारी की मां आशा देवी ने प्रशांत किशोर से पुलिसकर्मियों पर बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया वहीं बातचीत के क्रम में प्रशांत किशोर ने सम्राट सरकार पर जोरदार हमला करते हुए कहा कि जिस तरह से सरकार और पुलिस के संरक्षण में इस पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया गया इससे यह साबित होता है कि बिहार में सरकार और शासन नाम की कोई चीज नहीं है और इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी बिहार के मुखिया अभी तक अपने पद पर बने हुए हैं जो काफी दुर्भाग्यपूर्ण है मृतक की मां बार-बार पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने की गुहार लगा रही है लेकिन उनकी एक नहीं सुनी जा रही है यह भारत तिवारी की हत्या पूरी तरह से सरकार के द्वारा प्रयोजित हत्या है और एक सुची समझी साजिश के तहत इसको अंजाम दिया गया है भरत तिवारी समाज की लड़ाई लड़ रहा था और उसी का अंजाम उसको अपनी जान चुका कर देनी पड़ी ।



छावनी ओवरब्रिज के नीचे तीनों खंड में एक-एक शौचालय- मूत्रालयों का होगा निमार्ण:गरिमा

●सार्वजनिक शौचालय और मूत्रालय निर्माण की प्रत्येक योजना केलिए 15 लाख 75 हजार 133 रुपये की राशि की गई है निर्धारित

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि छावनी ओवरब्रिज के नीचे तीनों भाग में अर्थात मनुआ पुल, चनपटिया और सिकटा -मैनाटाड़ वाले रूट में एक-एक शौचालय-मूत्रालयों का निर्माण कराया जाएगा। बोर्ड द्वारा पारित योजना के बाद जारी प्रशासनिक स्वीकृति के आधार पर नगर निगम प्रशासन द्वारा इन योजनाओं की निविदा जारी कर दी गई है। महापौर ने बताया कि इच्छुक संवेदकों के द्वारा निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के लिए 7 से



27 जुलाई तक की तिथि निर्धारित की गई है। वहीं कार्यादेश जारी होने की तिथि से तीन माह के अंदर में चयनित संवेदक को गुणवत्ता पूर्ण निर्माण पूरा

करना होगा। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र में शहरी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए नागरिक प्रसाधन से वंचित क्षेत्रों

में ऐसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की एक महत्वपूर्ण पहल नगर निगम बोर्ड द्वारा की गई है। महापौर ने बताया कि छावनी चौक से मनुआपुल जाने वाली मुख्य सड़क पर, चनपटिया रोड और सिकटा रोड में स्थित ओवरब्रिज के नीचे तीन आधुनिक शौचालय एवं मूत्रालय निर्माण के लिए ई-टेंडर जारी कर दिया है। यह योजना नगर निगम बोर्ड की प्रशासनिक स्वीकृति के बाद अमल में लाई जा रही है। जारी निविदा विज्ञप्ति के माध्यम से स्वीकृत इन तीनों योजनाओं की प्राक्कलित लागत प्रत्येक के लिए 15 लाख 75 हजार 133 रुपये निर्धारित की गई है। इस प्रकार कुल मिलाकर लगभग 47 लाख 25 हजार 399 रुपये की लागत से यह निर्माण कार्य कराया जाएगा। महापौर ने बताया कि नगर आवुक्त शिवाक्षी दीक्षित द्वारा निर्माण एजेंसियों के लिए स्पष्ट निर्देश दिया

गया है कि कार्य आर्वटन के बाद इसे तीन माह के भीतर पूर्ण करना अनिवार्य होगा। नगर निगम की ओर से जारी टेंडर के साइट से योजना दस्तावेज डाउनलोड करने की अवधि 7 जुलाई से 27 जुलाई 2026 तक निर्धारित की गई है। वहीं, प्राप्त निविदाओं की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोलने तथा कार्य आर्वटन की प्रक्रिया 28 जुलाई 2026 को नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित को देखरेख में संपन्न होगी। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इन शौचालयों के निर्माण से सचन शहरी क्षेत्र शहर में स्वच्छता व्यवस्था मजबूत होगी और राहगीरों, यात्रियों तथा आसपास के व्यवसायिक क्षेत्रों में आने-जाने वाले लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। महापौर ने बताया कि इन योजनाओं के पूरा हो जाने के पूरा हो जाने पर शहरी स्वच्छता अभियान को भी नई गति देगी।

जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के साथ की समीक्षात्मक बैठक

●डूंगोलियो को लेकर हुई टास्क फोर्स की गहन समीक्षा,टिप गए कई निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जिलाधिकारी ने बड़ा एक्शन लिया है। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान लापरवाही पर अधिकारियों से जवाब-तलब किया गया, वहीं सदर अस्पताल का निरीक्षण कर साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन को लेकर भी आवश्यक निर्देश दिए गए। डीएचएस स्थित आरोग्य सदन (पंडित दीनदयाल उपाध्याय भवन) में जिलाधिकारी श्री सौरभ सुमन यादव की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य योजनाओं की



प्रगति के साथ-साथ जिला पोलियो टास्क फोर्स की गतिविधियों की गहन समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान पकड़ीयाल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने उनसे स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश सिविल सर्जन को दिया। वहीं, ढाका प्रखंड में नियमित टीकाकरण की कम उपलब्धि पर भी संबंधित प्रभारी से

जवाब-तलब करने का निर्देश दिया गया। बैठक के बाद जिलाधिकारी ने सदर अस्पताल पहुंचकर आईसीयू और पीकू वार्ड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, जैव चिकित्सा कचरे के उचित निष्पादन तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

1 जुलाई को सजा पर आएगा फैसला

पिंटू यादव हत्याकांड में तीन आरोपी दोषी करार

●नाली विवाद में हुई थी पिंटू यादव की हत्या, दोष सिद्ध होने के बाद तीनों आरोपी भेजे गए जेल

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। रामनगर थाना क्षेत्र के चर्चित पिंटू यादव हत्याकांड में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-चतुर्थ मानवेंद्र मिश्र की अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए तीन आरोपियों को दोषी करार दिया है। मामले में सजा के बिंदु पर सुनवाई पूरी हो चुकी है और अदालत 1 जुलाई को अंतिम सजा का फैसला सुनाएगी। दोष सिद्ध होने के बाद जमानत पर चल रहे तीनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मामला रामनगर थाना कांड संख्या 596/2024 से जुड़ा है। मृतक के परिजन मुकेंद्र यादव के



आवेदन पर दर्ज प्राथमिकी में गोलू कुमार यादव, अनिता देवी और कीर्ति यादव को नामजद आरोपी बनाया था। अभियोजन के अनुसार 26 दिसंबर 2024 की सुबह मुड़िला गांव में नाली विवाद को लेकर दो पक्षों के

बीच मारपीट हुई थी। सूचना मिलने पर जब मुकेंद्र यादव मौके पर पहुंचे तो देखा कि आरोपित उनके परिजनों के साथ मारपीट कर रहे हैं। घटना में ननक यादव, पिंटू यादव, निशा कुमारी और मुन्नी देवी गंभीर रूप से घायल

हो गए थे। आरोप है कि पिंटू यादव को इतनी बेरहमी से पिटाई की गई कि उनकी मौत हो गई। उन्हें उपचार के लिए रामनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

वाई-वाई यू- 19 अन्तर प्रदेश क्रिकेट प्रतियोगिता में रुपन्देही की शानदार जीत

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। सिद्धार्थ क्रिकेट स्टेडियम, भैरहवा में आयोजित वाई-वाई यू-19 अन्तर प्रदेश चयन क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत खेले गए मुकाबले में रुपन्देही यू-19 टीम ने नवलपरासी यू-19 को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नवलपरासी यू-19 की पूरी टीम 23.3 ओवर में मात्र 87 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। रुपन्देही के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए नवलपरासी के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। 88 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रुपन्देही यू-19 टीम ने महज 10 ओवर में दो विकेट खोकर 80 रन बना लिए थे और बाद में आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। टीम के बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल



दिखाते हुए मैच को एकतरफा बना दिया। नवलपरासी जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष कृष्णा श्रेष्ठ ने बताया कि वाई-वाई यू-19 अन्तर प्रदेश चयन प्रतियोगिता का मुखाडि़यों की प्रतियोगिता युवा खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को अनुभव

मिलता है और भविष्य में राष्ट्रीय टीम तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होता है।अध्यक्ष श्रेष्ठ ने आगे कहा कि नेपाल में क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जिला स्तर पर लगातार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इससे ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिल रहा है।

70 हजार आबादी की जिंदगी की राह में कीचड़ और दुर्गमता का पहाड़

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। दुर्गम दोन क्षेत्र को यह रोजमर्रा की तस्वीर अब यहाँ के करीब 70 हजार ग्रामीणों की नियति बन चुकी है। बरसात शुरू होते ही सड़कें कीचड़ में तब्दील हो जाती हैं और आवागमन किसी चुनौती से कम नहीं रह जाता। पहाड़ी नदियाँ, उबड़-खाबड़ रास्ते और फिसलन भरे मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए वर्षों से परेशानी का कारण बने हुए हैं। दोन क्षेत्र की दुर्गमता केवल आवागमन तक सीमित नहीं है। खराब सड़कों और संपक मार्गों के अभाव में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और अन्य विकास योजनाओं की पहुँच भी प्रभावित हो रही है। मरीजों को अस्पताल पहुँचाने में घंटों लग जाते हैं, जबकि विद्यार्थियों को विद्यालय जाने के लिए रोज कठिन



रास्तों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बावजूद क्षेत्र में अपेक्षित विकास नहीं हो सका है। 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग बताते हैं कि उन्होंने जीवन भर विकास के वादे सुने, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति में बहुत बड़ा बदलाव नहीं आया। उनकी आँखें अब भी पक्की सड़क, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की राह देख रही हैं।

मुहर्रम पर्व के शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

बेतिया। आगामी मुहर्रम पर्व के अवसर पर विधि-व्यवस्था संधारण एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह ने की। बैठक में जिला पदाधिकारी ने कहा कि मुहर्रम पर्व आपसी भाईचारे, शांति एवं सद्भाव के वातावरण में मनाया जाए। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को पर्व के दौरान सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, यातायात व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक, बेतिया, श्री कुमार गौतम ने कहा कि पर्व के दौरान संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। उन्होंने लोगों से अप्रवहों पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की। शांति समिति के सदस्यों ने भी अपने-अपने सुझाव दिए तथा प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

भारत-नेपाल सीमा से करोड़ों रुपए के गांजा नेपाल से आ रहे कंटेनर के गुप्त तहखाना से बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। भारत-नेपाल सीमा पर रक्सौल स्थित हरैया थाना पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ के बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने नेपाल से आ रहे एक कंटेनर से 350 किलोग्राम गांजा बरामद करते हुए चालक को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत तकरीबन एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। इस संबंध में एसडीपीओ मनीष आनंद ने बताया कि पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर उक्त कार्रवाई की है। सूचना के आधार पर आईसीपी बाईपास मार्ग पर वाहनों की सचन जांच शुरू की गई। इसी दौरान एक संदिग्ध कंटेनर को रोककर तलाशी ली गई। जांच के दौरान कंटेनर के अंदर विशेष रूप से बनाए गए तहखाने का पता चला। पुलिस ने जब तहखाने की तलाशी ली तो वहां से 22 बड़े बंडलों में छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। वजन करने पर इसकी मात्रा 350 किलोग्राम पाई गई। पुलिस ने मौके से कंटेनर चालक को गिरफ्तार



कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि चालक कंटेनर को नेपाल से छपरा लेकर जा रहा था। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर यह जानने का प्रयास कर रही है कि गांजा नेपाल में कहां से लोड किया गया था और इसकी आपूर्ति किस स्थान पर की

जानी थी। एसडीपीओ ने बताया कि इस कार्रवाई में हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार और उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस पूरे तस्करी नेटवर्क का पता लगाने और इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी हुई है।

उप विकास आयुक्त ने महनाकुली पंचायत के आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

बेतिया। उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन ने बुधवार को चनपटिया प्रखंड की महनाकुली पंचायत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या-144 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, पोषण आहार, साफ-सफाई, उपस्थिति पंजी तथा अन्य



आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रखंड एवं बाल विकास परियोजना के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कार्य समीक्षा के बाद चैम्बर में पदोन्नति व पुनर्गठन

प्रातः किरण संवाददाता

रक्सौल। रक्सौल चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने कार्यरत वर्तमान कार्यसमिति पदाधिकारियों के कार्यकाल की एक वर्ष पूरे होने पर पदानुसार कर्तव्यों के निर्वहन की सुक्ष्मता से अध्ययन करते हुए विगत रात्रि अध्यक्ष राकेश कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में पदाधिकारियों की बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए वर्तमान पदाधिकारियों के पदों में आंशिक फेरबदल करते हुए कुछेक पदाधिकारियों को पदोन्नति



किया गया, साथ ही कुछ नये कार्यकारणी सदस्यों के सक्रियता व कर्तव्यपरायणता के साथ कार्यों के संपादन में अहम भूमिका निर्वहन करने में संरक्षक ध्रुव नारायण श्रीवास्तव, शिवपूजन प्रसाद, अध्यक्ष राकेश

सभी पदाधिकारीगण अपने-अपने पदों अनुरूप दायित्वों का निर्वहन पारदर्शिता के साथ निर्वहन करना सुनिश्चित करेंगे। वर्तमान नव पुनर्गठित पदाधिकारियों के साथ साथ रमेश कुमार को प्रवक्ता शिवपूजन प्रसाद, अध्यक्ष राकेश

6 आरडी बांध पर टहलता दिखा भालू



प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र के 6 आरडी के आगे बांध पर मंगलवार को एक भालू के दिखाई देने से राहगीरों में कुछ डर के लिए दहशत का माहौल बन गया। भालू को बांध पर आराम से टहलते देख लोगों की सांसें थम गईं और कई लोग सुरक्षित दूरी बनाकर उसकी गतिविधियों पर नजर रखने

लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भालू बांध के किनारे स्थित एक आम के पेड़ के पास काफी देर तक मंडराता रहा। इस दौरान वह कुछ समय के लिए पेड़ के नीचे बैठा भी रहा, जिससे वहां से गुजरने वाले लोगों में थय का माहौल बना रहा। हालांकि भालू ने किसी व्यक्ति को नुकसान नहीं पहुंचाया। राहगीरों ने बताया कि भालू काफी देर तक क्षेत्र में घूमता रहा, लेकिन कुछ समय बाद वह स्वयं ही जंगल की ओर लौट गया। उसके जंगल में चले जाने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली और आवागमन सामान्य हो सका। वन क्षेत्र के आसपास जंगली जानवरों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए स्थानीय लोगों ने वन विभाग से निगरानी बढ़ाने तथा लोगों को सतर्क रहने की सलाह देने की मांग की है। वहीं वनकर्मियों ने लोगों से जंगली जानवर दिखने पर उनके करीब न जाने और तुरंत विभाग को सूचना देने की अपील की है।

गृहमन्त्री की थाली में मिला मछली का काँटा

होटल पर तीन लाख रुपये का जुमाना

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल के गृहमन्त्री सुधन गुरुङ के भोजन में मछली का काँटा मिलने के मामले में प्रशासन ने संबंधित होटल पर तीन लाख नेपाली रुपये का जुमाना लगाया है। यह कार्रवाई खाद्य गुणवत्ता एवं उपभोक्ता सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के आरोप में की गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गृहमन्त्री एक होटल में अमेलेट का सेवन कर रहे थे। इसी दौरान उनके भोजन में मछली का काँटा निकल आया। घटना के बाद मामला चर्चा



का विषय बन गया और प्रशासन ने तत्काल जांच शुरू कर दी। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की गई जांच में खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और स्वच्छता

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि खाद्य सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। होटल एवं रेस्टुरेंट संचालकों को भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और उपभोक्ताओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की चेतावनी दी गई है। बताते हैं, इस घटना के बाद नेपाल में होटल और रेस्टुरेंटों में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता को लेकर बहस तेज हो गई है। उपभोक्ता अधिकारकर्मियों ने नियमित निरीक्षण, कड़ी निगरानी और खाद्य सुरक्षा नियमों के सख्ती से पालन की मांग की है।

व्यवस्था को लेकर कई सवाल उठे। जांच रिपोर्ट के आधार पर होटल संचालक पर तीन लाख नेपाली रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया है। जांच

संक्षिप्त समाचार

गुजरात में सड़कों पर दौड़ता हुआ स्कूल, कबाड़ बसों को कैसे बनाया गया डिजिटल क्लासरूम



अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात में सरकार ने 28 पुरानी बसों को सोलर पावर, ब्लैक बोर्ड, स्मार्ट टीवी, एलईडी लाइट के साथ खेलकूद के

सामान से सुसज्जित कर नमक श्रमिकों के बच्चों के लिए मोबाइल क्लास रूम में तब्दील कर दिया । उप मुख्यमंत्री हर्ष संधवी ने गांधीनगर में इन बसों का लोकार्पण किया । बसों में बच्चों के बैठने के लिए टेबल, कुर्सी, पुस्तकालय, ब्लैक बोर्ड और पेयजल के साथ बच्चों के खेलने की भी सुविधा है । बिना बिजली के भी ये बसें करीब 48 घंटे तक संचालित की जा सकती हैं । इसके अलावा सोलर पावर के चलते स्मार्ट टीवी, एलईडी लाइट आदि बिना किसी रुकावट के कार्य करते रहेंगे । एक बस में बीस छात्र-छात्राओं को पढ़ाया जा सकता है । इनमें से 20 बसें सुरेन्द्रनगर जिले की पाटडी तहसील में, चार बसें पाटण के सांतलपुर तथा दो बसें कच्छ के अंजना में नमक श्रमिकों के बच्चों के लिए भेजी गई हैं ।

वैष्णोदेवी में अड़आस्था का सैलाब, 22 जून तक 50.70 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जम्मू, एजेंसी। श्री माता वैष्णो देवी यात्रा ने वर्ष 2026 में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है । 22 जून तक पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50.70 लाख के पार पहुंच गई है । यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 10.86 लाख अधिक है, जो श्रद्धालुओं की बढ़ती आस्था और विश्वास को दर्शाता है ।

वर्षा ता है । वर्ष 2025 में इसी अवधि तक करीब 39.84 लाख श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में हाजिरी लगाई थी । यात्रा में लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने सुरक्षा, आवास, स्वच्छता, भीड़ प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं और डिजिटल सुविधाओं को और मजबूत किया है । जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल एवं श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा के नेतृत्व में यात्रा को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिससे श्रद्धालुओं का भरोसा और मजबूत हुआ है । श्राइन बोर्ड की व्यवस्थाओं पर बढ़ा भरोसा गौरतलब है कि यात्रा में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या यह भी संकेत देती है कि श्रद्धालुओं की श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर भरोसा मजबूत हुआ है । साथ ही, यात्रा प्रबंधन से जुड़े सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा है ।

तो वहीं 22 जून तक पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 50 लाख के आंकड़े को पार कर गई है । 22 जून तक कुल 50.70 लाख श्रद्धालुओं ने माता वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाई है । डिजिटल और सुरक्षा सुविधाओं का विस्तार आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल एवं श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा के नेतृत्व में श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं । श्राइन बोर्ड ने आधारभूत ढांचे के विकास, आवास सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाओं, वैटरी कार संचालन, रोपवे सेवाओं, आपदा प्रबंधन तैयारियां तथा डिजिटल सुविधाओं में लगातार सुधार किया है । इन पहलों से श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा वितरण की गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है ।

ट्रंप की सैन्य नीति को झटका?: ‘कांग्रेस की मंजूरी के बिना ईरान में सैन्य कार्रवाई नहीं’, सीनेट का संदेश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई समाप्त करने की मांग की गई है। इसे तेहरान के साथ दीर्घकालिक समझौते की दिशा में जारी प्रयासों के बीच व्हाइट हाउस के खिलाफ कांग्रेस की ताजा प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। अगर कांग्रेस विशेष रूप से सैन्य बल के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देती है, तो वह ईरान से जुड़े सैन्य संघर्षों से अमेरिकी बलों को वापस बुलाएँ। हालांकि, इस प्रस्ताव का प्रभाव मुख्य रूप से प्रतीकात्मक माना जा रहा है। 1973 के वॉर पावर्स एक्ट के तहत पारित यह एक समवर्ती प्रस्ताव (कॉन्करेंट रेजोल्यूशन) है, जिसके लिए राष्ट्रपति के हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं होती और न ही इसे कानून का दर्जा प्राप्त है। व्हाइट हाउस का कहना है कि यह प्रस्ताव असंवैधानिक है और इसलिए कानूनी रूप से बाध्यकारी नहीं है। इस महीने की शुरुआत में यह प्रस्ताव प्रतिनिधि सभा से भी पारित हो चुका था। इसे ईरान के साथ संघर्ष

मुंबई के अहिल्यानगर में लगेगा रक्षा और सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट, तीन बड़े उद्योगों को मिलेगी जमीन

मुंबई , एजेंसी। युवाओं को रोजगार और औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए महाराष्ट्र के अहिल्यानगर में दारुगोला, विस्फोटक, रक्षा सामग्री और सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पहल पर राजस्व विभाग ने हरेगांव मला स्थित खेती कॉपरेशन की 4200 एकड़ जमीन इस महा प्रोजेक्ट के लिए मंजूर कर दी है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल उपसमिति की बैठक में जमीन आवंटन को हरी झंडी दी गई। इस फैसले के तहत डीआरडीओ को अनुसंधान के लिए 1500 एकड़, महाऊर्जा को सौर व पवन ऊर्जा पार्क के लिए 1200 एकड़ और निबे ऑर्डिनेंस कंपनी को रक्षा सामग्री उत्पादन के लिए 1500 एकड़ जमीन दी जाएगी। रक्षा, अनुसंधान और सौर ऊर्जा जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए आवंटित की गई 4200 एकड़ जमीन को लेकर सरकार ने कड़े और पारदर्शी नियम तय किए हैं। राजस्व विभाग के फैसले के अनुसार, यह पूरी जमीन संबंधित रक्षा और ऊर्जा संस्थाओं को 49 वर्षों की दीर्घकालिक लीज (किराए) पर दी

जाएगी। इस ऐतिहासिक समझौते के तहत प्रति एकड़ जमीन के लिए 50 हजार रुपये का वार्षिक



किराया निर्धारित किया गया है। आर्थिक सुरक्षा और नियमों की पाबंदी सुनिश्चित करने के लिए कंपनियों के सामने एक अनिवार्य शर्त रखी गई है, जिसके मुताबिक उन्हें शुरुआती तीन वर्षों की पूरी किराया राशि एडवांस (अग्रिम) के रूप में सरकार के पास जमा करनी होगी। कैबिनेट की अंतिम मंजूरी मिलते ही इस वित्तीय और कानूनी प्रक्रिया

को गति दी जाएगी, जिससे इस महा-प्रोजेक्ट का काम जल्द से जल्द शुरू हो सके। बड़े औद्योगिक



और रक्षा प्रोजेक्ट्स की स्थापना के साथ-साथ फडणवीस सरकार ने स्थानीय किसानों के हितों का भी पूरा ध्यान रखा है। राजस्व विभाग और मंत्रिमंडल उपसमिति के निर्णय के अनुसार, इस महा-परियोजना के लिए भूमि आवंटित करने के बाद भी किसानों के कल्याण के लिए एक बड़ा हिस्सा सुरक्षित रखा गया है।

डीएमके के आरोपों पर भड़के सीएम विजय, बोले- हम किसी की ‘बी-टीम’ नहीं

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को विधानसभा में विपक्षी पार्टी डीएमके पर पलटवार किया । मुख्यमंत्री ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि उनकी सरकार किसी राजनीतिक दल की ‘बी-टीम’ के तौर पर काम करती है । सीएम ने ये भी कहा कि प्रशासन को अपनी ताकत सिर्फ जनता के जनदेश से मिलती है । विधानसभा सत्र के आखिरी दिन जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने कानून-व्यवस्था, शिक्षा, सामाजिक न्याय और शासन के मामलों में अपनी सरकार के कामकाज का बचाव किया । डीएमके सरकार पर कई अनसुलझी चुनौतियां छोड़ने का आरोप भी लगाया । विपक्ष के सदस्यों द्वारा कानून-व्यवस्था पर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सरकार अच्छे सुझावों के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों से निपटने में डीएमके के रिकॉर्ड पर सवाल उठाए । उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के समय ड्रग्स की समस्या बढ़ी थी और कहा कि उनकी सरकार इस समस्या को रोकने और लोगों का भरोसा बहाल करने के लिए कड़े कदम उठा रही है ।

मेट्रो खराब, ट्रकों में सवार लोग... बेंगलुरु में मची अफरा-तफरी को लेकर बीजेपी सांसद की ‘तीसरी दुनिया’ वाली टिप्पणी

बेंगलुरु, एजेंसी। टेक सिटी बेंगलुरु में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल हो गया जब मेट्रो की रूफ टोप लाइन में तकनीकी खराबी आ गई । हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा और रकब के कई स्टेशनों पर लंबी लाइनें देखने को मिलीं । इस घटना से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं । घर पहुंचने के लिए फसे हुए यात्रियों द्वारा लॉरी और ट्रकों में लिफ्ट लेने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं । इसको लेकर नागरिकों और विपक्षी नेताओं ने आलोचना की है । घर लौट रहे बहुत से यात्रियों को जब ट्रेनों से उतरने के लिए कहा गया तो वे वैकल्पिक परिवहन की तलाश में हड़बड़ी में सड़कों पर अड़पड़े और सड़कों पर अफरा-तफरी मच गई । मेट्रो में खराबी की वजह से यात्रियों की अचानक बढ़ी भीड़ के कारण कैब और ऑटो सर्विस पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ गया, जिससे परेशान यात्री घर पहुंचने के लिए लॉरी और ट्रकों पर चढ़ते हुए देखे गए । यात्रियों की परेशानी को लेकर विपक्ष ने राज्य सरकार पर ‘फर्स्ट वर्ल्ड बम थर्ड वर्ल्ड’ वाला हमला बोला । इस अव्यवस्था पर प्रतिक्रिया देते हुए बेंगलुरु दक्षिण के सांसद तेजस्वी सूर्या ने पोस्ट किया, ‘फर्स्ट-वर्ल्ड टेक टैलेंट । थर्ड-वर्ल्ड गवर्नेंस । यही बेंगलुरु की कहानी है ।’ उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ‘मेट्रो में रुकावटें अब बहुत ज्यादा और चिंताजनक रूप से बार-बार होने लगी हैं । और हर बार जब मेट्रो सेवा ठप होती है तो पूरे शहर में अफरा-तफरी मच जाती है । कैब गायब हो जाती हैं । ऑटो वाले सवारी ले जाने से मना कर देते हैं । लोग बीच रास्ते में ही फंस जाते हैं ।’

संकट में शांति समझौता: ‘परमाणु निरीक्षण से किया इनकार तो रह कर दूंगा बैठके’, ट्रंप ने फिर दी ईरान को धमकी

पेंसिल्वेनिया, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान समझौते के तहत तीन महीने से ज्यादा समय बाद आई शांति पर फिर संकट के बादल गहराने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर ईरान अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) को अपने परमाणु कार्यक्रम का निरीक्षण करने की अनुमति नहीं देता है, तो वह तेहरान के साथ चल रही तकनीकी वार्ताओं से जुड़ी बैठकों को रद्द कर देंगे।

पेंसिल्वेनिया के लीहार्ड काउंटी स्थित मैक ट्रक्स संयंत्र के दौर के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने ईरान के निरीक्षण संबंधी रुख को लेकर उठ रही आशंकाओं को खारिज किया। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था के निरीक्षकों की तैनाती से जुड़े सवाल पर ट्रंप ने कहा कि ईरान सैद्धांतिक रूप में पहले ही इसके लिए सहमत हो चुका है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, “वे गलत हैं। उन्हें पता है कि वे गलत हैं। उन्होंने हमें अंदरूनी तौर पर यह बताया है और हमारे पास निरीक्षण को लेकर 100 प्रतिशत आश्वासन है। अगर वे सही होते, तो मैं अभी इसी समय बैठकें रद्द कर देता।” निरीक्षण कब शुरू होगा, इस सवाल पर ट्रंप ने कहा, “उचित समय पर। कोई

जल्दबाजी नहीं है, लेकिन उचित समय आने पर निरीक्षक वहां मौजूद होंगे।” गौरतलब है कि ईरान की



ओर से अभी तक परमाणु कार्यक्रम के निरीक्षण को लेकर कोई पुष्टि नहीं की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है और तेहरान की स्थिति पहले की तुलना में काफी कमजोर हुई है। उन्होंने कहा, “हम

ईरान के साथ बहुत अच्छा कर रहे हैं। वे बुरी तरह कमजोर हो चुके हैं और हम उनके साथ एक समझौता कर रहे हैं। देखते हैं आगे क्या होता है।” ट्रंप ने होमरुज जलडमरूमध्य से ऊर्जा आपूर्ति से जुड़े घटनाक्रम का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि दोनों पक्षों के बीच स्विट्जरलैंड में हुई शुरुआती तकनीकी वार्ताओं के बाद तेल परिवहन में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। ये वार्ताएं क्षेत्र में शत्रुता समाप्त करने के लिए तैयार किए गए 14 स्तरीय समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत हुई थीं। उन्होंने कहा, “जैसा कि आपने कल सुना होगा, 1.9 करोड़ बैरल तेल निकला और यह होमरुज जलडमरूमध्य के इतिहास में सबसे बड़ा आंकड़ा है।” ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अपने प्रशासन के रुख को दोहराते हुए ट्रंप ने कहा, “सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होगा।” ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान सामरिक रूप से कमजोर स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने कहा, “हमने ईरान को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है, जैसी किसी ने पहले कभी नहीं की। यह काम पिछले 47 वर्षों में दूसरे राष्ट्रपतियों को करना चाहिए था। ईरान की सैन्य क्षमता लगभग खत्म हो चुकी है।

ईरान यात्रा पर भारतीयों के लिए नई एडवाइजरी जारी, गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह

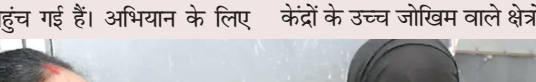
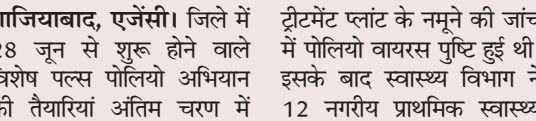
तेहरान, एजेंसी। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने ईरान की यात्रा को लेकर नई एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने कहा है कि हालांकि ईरान में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है, फिर भी भारतीय नागरिक अभी वहां की गैर-जरूरी यात्रा से बचें। जो भारतीय नागरिक इस समय ईरान में हैं या जिन्हें बहुत जरूरी काम से वहां जाना है, उन्हें बेहद सावधान रहने की सलाह दी गई है। दूतावास ने नागरिकों से स्थानीय खबरों पर नजर रखने और अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने को कहा है। साथ ही, सभी भारतीयों को दूतावास में अपना पंजीकरण कराने की सलाह दी गई है ताकि जरूरत पड़ने पर मदद दी जा सके। किसी भी



आपात स्थिति के लिए दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर (+989128109115, +989128109109, +989128109102, +989932179359) भी जारी किए हैं। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के बाद उठाया गया है। 17 जून को

7.50 लाख बच्चों को मिलेगी खुराक

गाजियाबाद में 28 जून से शुरू होगा पल्स पोलियो अभियान



गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में 28 जून से शुरू होने वाले विशेष पल्स पोलियो अभियान की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। अभियान के लिए

ट्रीटमेंट प्लांट के नमूने की जांच में पोलियो वायरस पुष्टि हुई थी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने 12 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों



नौ लाख पोलियो वैक्सीन डोज मंगलवार को जिला स्टोर पहुंच गई। डोज को लोनी, मुरादनगर, मोदीनगर और भोजपुर केंद्रों पर भेज दिया गया। करीब 7.50 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए जिलेभर में 1600 पोलियो बुथ बनाए जाएंगे। दो हजार टीमों घर-घर जाकर उन बच्चों तक पहुंचेंगी जो किसी कारणवश बुथों तक नहीं पहुंच सकेंगे। अभियान की निगरानी के लिए शहरी क्षेत्रों में 22 सर्विलांस अधिकारियों की तैनाती की गई है। अभियान की तैयारी उस समय और तेज कर दी गई जब ढूंडहेड़ा सीवेज

33 डिग्री टेंपरेचर और हुड़ी... लोहागढ़ किले के सीसीटीवी फुटेज से बेनकाब हुआ मंगेतर सिया का प्रेमी

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे के पास लोहागढ़ किले में बिल्डर केतन अग्रवाल की हत्या की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे कई खुलासे हो रहे हैं। अब इस मामले में पुलिस ने नया खुलासा किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि केतन अग्रवाल और उसकी मंगेतर सिया गोयल का पीछा करते हुए हुड़ी पहने हुए एक व्यक्ति का सीसीटीवी फुटेज सामने आया, जिसके बाद पुलिस अलर्ट हो गई। पुलिस को यह बात अजीब लगी कि तापमान लगभग 33 डिग्री सेल्सियस होने के बावजूद उस व्यक्ति ने हुड़ी पहनी हुई थी। उसकी सदिग्ध हरकतों को देखकर पुलिस ने केतन की मौत की ओर गहराई से जांच करने का फैसला किया, क्योंकि शुरुआत में यह मामला ट्रेकिंग के दौरान हुआ एक दुखद हादसा लग रहा था। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि 18 जून को ट्रेकिंग के दौरान जान गंवाने वाले 26 साल के केतन को काथित तौर पर उसकी मंगेतर सिया (20) और उसके प्रेमी चेतन (22) ने खाई में धकेल दिया था। शुरू में इस घटना को दुर्घटनावश हुई मौत के तौर पर दर्ज किया गया था क्योंकि सिया ने पीड़ित के परिवार को बताया था कि ट्रेकिंग के दौरान उनका पैर फिसल गया था। जांच में शामिल एक पुलिस अधिकारी ने कहा, “जांच के दौरान हमें घटना से जुड़ी कुछ ऐसी बातें पता चलीं जिनसे शक हुआ और मामले की गहराई से जांच करने

पाकिस्तान में बड़ा हादसा: सूफी संत की दरगाह पर मची भगदड़, 80 श्रद्धालु घायल, दो की हालत नाजुक

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां पाकपट्टन शहर में स्थित एक प्रसिद्ध सूफी संत की दरगाह पर ‘जनत के दरवाजे’ (बहिश्ती दरवाजा) से गुजरने की होड़ में अचानक भगदड़ मच गई। इस हादसे में महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 80 लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने मंगलवार को इस घटना की आधिकारिक पुष्टि की। यह हादसा लाहौर से करीब 200 किलोमीटर दूर पाकपट्टन शहर में हजरत बाबा फरीद गंज शकर के 784वें उर्स (पुण्यतिथि) के दौरान रविवार को हुआ। चश्मदीदों और सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, एक सरकारी कारफिले को निकालने के लिए जब दरगाह का मुख्य गेट खोला गया, तभी हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालु ‘बहिश्ती दरवाजा’ की तरफ तेजी से दौड़ पड़े। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया, लेकिन वे स्थिति को काबू नहीं कर पाए। हादसे की जानकारी मिलते ही पंजाब आपातकालीन सेवा मौके पर पहुंची। हालांकि, भारी भीड़ और जाम के कारण एम्बुलेंस घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी, जिसके चलते बचावकार्मियों को घायल लोगों को इमरजेंसी मोटरसाइकिलों के जरिए अस्पताल पहुंचाना पड़ा।



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयान ने युद्ध खत्म करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत बातचीत के लिए 60 दिनों का संघर्ष विराम तय हुआ है। भारत ने इस समझौते का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि शांति के लिए बातचीत ही एकमात्र रास्ता है। भारत ने हमेशा तनाव कम करने और कुटनीति का समर्थन किया है। इससे क्षेत्र में व्यापार और शांति बहाल होने की उम्मीद है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने खाड़ी दौर की शुरुआत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से की है, जहां वह अमेरिका-ईरान शांति समझौते को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। अबू धाबी पहुंचने पर उन्होंने कहा कि हाल की बातचीत से प्रगति की नींव रखी गई है, लेकिन अभी भी कुछ अहम मुद्दों पर और चर्चा की जरूरत है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि पश्चिम एशिया दौर के दौरान अमेरिका और ईरान के बीच जो भी समझौता होगा, उसमें यह बात तय की जाएगी कि होमरुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पूरी स्वतंत्रता के साथ जारी रहे।